शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 259 | गुवाहाटी | शनिवार, 20 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यह भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है : पीएम — पेज 2
पूर्वोत्तर राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न राज्य में 70.77 व मिजोरम में ... — पेज 3
इंडी गठबंधन राम और कृष्ण विरोधी — पेज 5
ओलंपिक क्वालीफायर के लिए जा रहे भारतीय पहलवानों का बुरा हाल... — पेज 7

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पहले चरण की वोटिंग खत्म : 60% हुआ मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में लोकतंत्र का उत्सव जारी है और पहले चरण में देशभर में मतदाता बड़ी संख्या में वोट डाल रहे हैं। शाम 5 बजे तक 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और असम में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। पहले चरण में सभी 21 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में मतदान सुचारु और शांतिपूर्वक चल रहा है। आज सुबह 7 बजे 102 संसदीय क्षेत्रों में एक साथ मतदान शुरू होने पर मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े मतदाताओं को वोट देने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया। यह क्रम देर शाम तक जारी है। चुनाव आयोग के अनुसार पहले चरण में शाम 5 बजे तक अरुणाचल प्रदेश की सभी दो सीटों पर 64.07, असम की 14 सीटों पर 70.77, बिहार की चार सीटों पर 46.32, छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर 63.41, मध्य प्रदेश की छह सीटों पर 63.25, महाराष्ट्र की पांच सीटों पर 54.85, मणिपुर की दो सीटों पर 68.62, मेघालय की सभी दो सीट पर 69.91, मिजोरम की एक सीट पर 53.96, नगालैंड की एक सीट पर 56.18, राजस्थान की 12 सीट पर 50.27, तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर 62.08, त्रिपुरा की एक सीट 76.10, उत्तर प्रदेश की आठ 57.54, लक्षद्वीप की एकमात्र सीट पर 59.02, पुडुचेरी की एकमात्र सीट पर 72.84, उत्तराखंड की सभी पांच सीटों पर 53.56, पश्चिम बंगाल की तीन सीट पर 77.57, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र पर 56.87 और जम्मू-कश्मीर की एक सीट 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार आज मतदान केंद्रों के दृश्यों में समावेशी चुनाव सुनिश्चित करने के प्रयासों के सफल परिणाम देखने को मिले। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने की खुशी से झूमते हुए देश भर के मतदान केंद्रों पर आए। दक्षिण अंडमान में स्ट्रेट द्वीप से ग्रेट अंडमानी जनजाति ने भी उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लिया। पश्चिम बंगाल में हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से जारी है। हालांकि सूबे में कूचबिहार और जलपाईगुड़ी में कुछ स्थानों पर भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक छड़पें और उनके कार्यालयों में तोड़फोड़ होने की सूचना है। उधर, पूर्वोत्तर के मणिपुर के मैरांग केंद्र पर गोलीबारी की घटना हुई। यहां दो गुटों के बीच यह टकराव हुआ लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, इस टकराव के कारण यहां एक घंटे तक मतदान रोकना पड़ा। छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद क्षेत्रों में भी छिटपुट घटनाओं के छोड़कर शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। हालांकि बीजापुर के गलकम के मतदान केंद्र के बाहरी इलाके में यूबीजीएल सेल विस्फोट की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी जवान देवेंद्र कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य घटना में बीजापुर के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के चेहका मतदान केंद्र के पास सर्चिंग के दौरान आईईडी विस्फोट से सीआरपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट मनु एचसी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रायपुर के नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के लिए 55.23 प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 70 फीसदी से अधिक हुआ मतदान

गुवाहाटी। असम में पांच लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को पहले चरण के मतदान में 70.77 प्रतिशत से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए निकले। सुबह से ही बूथों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। सभी बूथों पर मतदान शांतिपूर्ण होने की जानकारी देते हुए सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग ने ऊपरी असम में अरुणाचल प्रदेश से लगी अंतरराज्यीय सीमा पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं। मैदान में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार सर्वानंद सोनोवाल और उनके प्रतिद्वंद्वी लुरिनज्योति गोगोई थे, जो डिब्रूगढ़ से विपक्ष समर्थित उम्मीदवार थे, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता कांग्रेस के गौरव गोगोई जोरहाट से थे, जो भाजपा के मौजूदा सांसद टोपोन गोगोई के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। सत्तारूढ़ दल के लखीमपुर से मौजूदा सांसद प्रदान बरुआ, राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और विधायक रंजीत दत्ता। एक अधिकारी ने बताया कि लखीमपुर के बिहपुरिया के कम से कम तीन मतदान केंद्रों, होजाई, कलियाबोर और बोकाखट के एक-एक और डिब्रूगढ़ के नाहरकटिया के एक मतदान केंद्र से ईवीएम में खराबी की खबरें आईं। ज्यादातर गड़बड़ियां मॉक -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में खराबी के कारण 150 ईवीएम को बदला गया : अधिकारी

गुवाहाटी। असम की पांच लोकसभा सीट पर कुल 150 पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) खराबी आने के कारण बदली गई। इन सीट पर शुक्रवार को मतदान किया जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अलावा, विभिन्न ईवीएम की वीवीपैट और मतपत्र इकाइयों को भी खराबी के कारण बदला गया। निर्वाचन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ज्यादातर गड़बड़ियां *मॉक पोलिंग* -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम ले जा रहा वाहन नदी में डूबा

उत्तरी लखीमपुर। असम के लखीमपुर निर्वाचन क्षेत्र में शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ले जा रही एक एसयूवी अचानक पानी का स्तर बढ़ने के बाद नदी में डूब गई और मशीनीकृत नाव नदी में बह गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि वाहन में पानी घुसने से पहले वाहन का चालक और मतदान अधिकारी बाहर निकलने में कामयाब रहे। अधिकारी ने बताया कि सुबह मतदान शुरू होने के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आत्मरक्षा से सबकी रक्षा होती है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नगालैंड के छह जिलों में नहीं पड़ा एक भी वोट

कोहिमा (हि.स.)। पूर्वी नगालैंड के छह जिलों के जनजातियों के संगठन के बहिष्कार के चलते 20 विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को पहले चरण के मतदान में एक भी वोट नही डाला गया। मतदान केंद्रों पर सन्नाटा छाया रहा। यहां तक कि इस क्षेत्र के 20 विधायकों ने भी मतदान नहीं किया। नगालैंड के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इन संगठन को नोटिस जारी किया है। दरअसल, -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : सीएम ने राज्य में भाजपा का मजबूत बढ़त का दावा किया

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने फीलोपथार, भोटाईगांव, नगांव में विशाल रैली में भाग लिया। मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने आगामी चुनावों में कांग्रेस एआईयूडीएफ पर भाजपा पार्टी की महत्वपूर्ण बढ़त पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा पार्टी इस बार कांग्रेस एआईयूडीएफ से बहुत आगे है। शर्मा ने बोरो, कार्बी और अल्फा समझौतों जैसे समझौतों के परिवर्तनकारी प्रभाव की प्रशंसा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में मतदान के दौरान गोलीबारी नाराज मतदाताओं ने की तोड़फोड़

इंफाल। आंतरिक मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान दो पूर्वी और तीन पश्चिमी इंफाल के कुल पांच मतदान केंद्रों से गोलीबारी की घटना सामने आई है। बिष्णुपुर जिले के मोइरंग निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत थामनापोक्पी में एक हथियारबंद व्यक्ति ने मतदान केंद्र के पास हवा में गोलीबारी शुरू कर दी। इसे देखते हुए वहां मौजूद मतदाता डर से भाग गए। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना पाकर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अज्ञात हथियारबंदों ने विभिन्न मतदान केंद्रों में एक विशेष राजनीतिक दल के एजेंटों को धमकी भी दी। पश्चिमी इंफाल जिले के उरीपोर और इरोइशेम्बा में हथियारबंद लोगों ने एजेंटों को मतदान केंद्र के परिसर से चले जाने के लिए कहा। इस धमकी से नाराज इरोइशेम्बा के मतदाताओं ने मतदान केंद्र में घुसकर तोड़फोड़ करने लगे। पूर्वी इंफाल जिले के कीराव निर्वाचन क्षेत्र में हथियारबंद लोगों ने हवा में फायरिंग भी की। शुक्रवार की सुबह खोंगमान जोन 4 में मतदाताओं और हथियारबंद लोगों के बीच -शेष पृष्ठ दो पर

असम : पहले चरण के मतदान में महिला मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

गुवाहाटी। असम में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान के दौरान मतदान केंद्रों के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं और महिला मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया। डिब्रूगढ़, जोरहाट, लखीमपुर, शोणितपुर और काजीरंगा सीट पर मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और 86.5 लाख मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। इनमें महिला मतदाताओं की संख्या 43 लाख 64 हजार 869 है, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 42 लाख 82 हजार 887 है। इन पांच सीट पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं के मुकाबले अधिक है। तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) के मतदाताओं की संख्या 123 है। मतदान के शुरूआती घंटे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने वोट डाला। डिब्रूगढ़ से भाजपा उम्मीदवार सोनोवाल ने अपना वोट डालने के बाद कहा कि यह वास्तव में एक अच्छा संकेत है कि लोग इतनी बड़ी संख्या में बाहर आ रहे हैं। लोगों की सहज भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होगा। सोनोवाल ने चौकीडिंग स्थित लक्ष्मीकांत बेजबरूआ भवन में बनाए गए एक मतदान केंद्र में अपना मत डाला। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में दिखा चुनाव को लेकर उत्साह लंबी कतार देख हैरान हुए मुख्यमंत्री सांग्मा

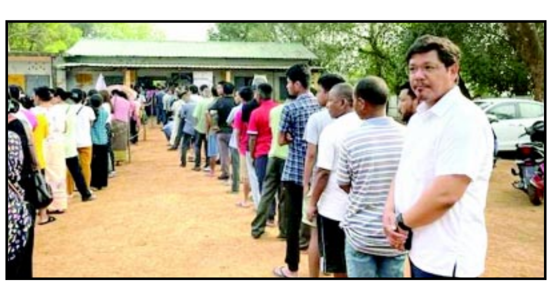

मेघालय। लोकसभा चुनाव का आज पहले चरण के मतदान शुरू हो चुके हैं। इसके चलते मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में अपना वोट डालने के लिए तुरा में एक मतदान केंद्र पर कतार में खड़े थे। हालांकि, उन्हें उस समय सुखद आश्चर्य हुआ जब उन्होंने देखा कि लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पहले से ही कतार में खड़े देखा। सुबह के 6:30 बजे, सांग्मा, जो राज्य की सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष हैं, तुरा के वाल्बकग्रे मतदान केंद्र पर पहुंचे और वोट डालने के लिए कतार में खड़े हो गए। वह खुद गाड़ी चलाकर मतदान केंद्र तक पहुंचे थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं सबसे पहले मतदान -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : नई याचिका दाखिल, एससी ने केंद्र और असम सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 को चुनौती देने वाली एक याचिका पर शुक्रवार को केंद्र और असम सरकार से जवाब तलब किया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता गुवाहाटी निवासी हिरेन गोहेन का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील की दलीलों को गौर से सुना और फिर राज्य सरकार और केंद्रीय गृह और विदेश मंत्रालयों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने साथ ही यह आदेश दिया कि नई याचिका को इस मुद्दे पर लंबित याचिकाओं के साथ टैग किया जाए। याचिका में कहा गया है कि बांग्लादेश से असम में अवैध प्रवासियों के अनियंत्रित संख्या में आने से राज्य में भारी जनसांख्यिकीय -शेष पृष्ठ दो पर

यह मतदान का आनंद लेने का समय, संदेह करने का नहीं : सीईसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक महोत्सव की शुरुआत आज हो गई है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। पहले दौर के चुनाव में 21 राज्यों की कुल 102 सीटों पर वोटिंग हो रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम नेता मतदाताओं से वोट डालने की अपील कर रहे हैं। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी लोगों से बढ़-चढ़कर वोट डालने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि भले ही बारिश क्यों न हो, पर बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं, यह देखकर अच्छा लगता है। आईए जानते हैं पहले दौर के चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने और क्या कुछ कहा। बिगड़ते मौसम और लंबी कतारों पर कुमार ने कहा कि मतदान डालने के लिए देश के लोगों में जो उत्साह है उसे -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल के हमले से बौखलाया ईरान, परमाणु हमले की तैयारी में

तेहरान (हि.स.)। इजराइल ने ईरान से कुछ दिन पुराना हिसाब-किताब बराबर करने के लिए एयर स्ट्राइक की है। ईरान के एयरपोर्ट पर तेज धमाके हुए हैं। इजराइल के मिसाइल हमले से ईरान बौखला गया है। उसने परमाणु हमले की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों के हवाले से ईरान की फारस न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में इजराइल के हमले की जानकारी दी है। फारस न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि ईरान के शहर इसाफान के एयरपोर्ट में धमाके की आवाज सुनी गई है। हालांकि विस्फोट की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि ईरान के कई परमाणु ठिकाने इसाफान प्रांत में ही स्थित हैं। इनमें ईरान का -शेष पृष्ठ दो पर

वासुकि नाग के अस्तित्व पर लगी विज्ञान की मुहर गुजरात में मिले 4.7 करोड़ वर्ष पुराने अवशेष

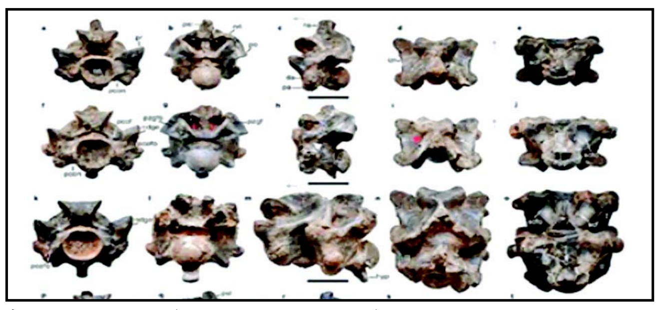

नई दिल्ली। समुद्र मंथन की पौराणिक गाथाओं में मंदराचल पर्वत पर लपेटे गए वासुकि नाग के अस्तित्व को प्रमाणित करने के लिए जरूरी वैज्ञानिक आधार मिल गया है। आईआईटी रुड़की के एक अहम शोध में गुजरात के कच्छ स्थित खदान में एक विशालकाय सर्प की रीढ़ की हड्डी के अवशेष मिले हैं। ये अवशेष 4.7 करोड़ वर्ष पुराने हैं। जिस सर्प की हड्डी के अवशेष मिले हैं, विज्ञानियों ने उसे वासुकि इंडिकस नाम दिया है। विज्ञानियों का कहना है कि यह अवशेष धरती पर अस्तित्व में रहे विशालतम सर्प के हो सकते हैं। कच्छ स्थित पनंध्रो लिग्नाइट खदान में विज्ञानियों ने 27 अवशेष खोजे हैं, जो कि सर्प की रीढ़ की हड्डी (वर्टिब्रा) के हिस्से हैं। इनमें से कुछ उसी स्थिति में हैं, जैसे जीवित अवस्था में सर्प विचरण के समय रहे होंगे। विज्ञानियों के अनुसार, अगर आज वासुकि का अस्तित्व होता तो वह आज के बड़े अजगर की तरह दिखता और जहरीला नहीं होता। खदान कच्छ के पनंध्रो क्षेत्र में -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में विदेशी नागरिकों पर हमला, दो की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में आत्मघाती हमला किया गया है। इस हमले में दो लोगों की जान चली गई है। यह हमला विदेशी नागरिकों के वाहन पर किया गया है। इस वाहन में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें पांच जापानी नागरिक भी थे। इस हमले में पांचों जापानी नागरिक बाल-बाल बच गए हैं लेकिन वाहन के ड्राइवर और सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। इस हमले के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकियों को मार गिराया गया है। पुलिस का कहना है कि ये हमला जापानी नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया लेकिन इस हमले में विदेशी नागरिकों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

यह भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है : पीएम

दमोह (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के दमोह में लोकसभा प्रत्याशी राहुल लोधी के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय केंद्र में जो भाजपा की सरकार है वह न किसी दबाव में आती है और न ही किसी के सामने झुकना जानती है। उन्होंने भाजपा सरकार की पिछले 10 वर्षों की अहम उपलब्धियों को गिनाते हुए फिर एक बार प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चनाव केवल सांसद चुनने का नहीं, बल्कि देश की आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है। यह चुनाव आने वाले पांच वर्ष में भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है। जब दुनिया भर में युद्ध का माहौल हो तो भारत में मजबूत सरकार का होना आवश्यक है। यह काम केवल पूर्ण बहुमत वाली भाजपा की सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश ने देखा है कि एक स्थिर सरकार विपरीत परिस्थितियों में भी कुशल कार्य कर सकती है। कोरोना काल में पूरी दुनिया में हाहाकार मच गया था, मगर देश की मजबूत भाजपा सरकार ने पूरी दुनिया से भारतीयों को देश में सुरक्षित वापस लाई। भाजपा सरकार ने करोड़ों भारतीयों को निःशुल्क राशन प्रदान किया और कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन की खुराक भी लगवाई। भाजपा ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हुए देशहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज विश्व में बहुत से देशों की हालत खराब है, कई देश दिवालिया होने की कगार पर खड़े हैं। भारत का एक पड़ोसी देश, जो आतंक का सप्लायर था, वह अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। ऐसे वैश्विक हालातों में भारत, विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। आज दुनिया में भारत की वाह-वाही हो रही है, जिस पर हर भारतीय को गर्व हो रहा है। यह सब देश की जनता के वोट के कारण ही हो पाया है। देश के कोने-कोने में फिर एक बार मोदी सरकार के नारों की गूंज सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत के रक्षा क्षेत्र को दशकों तक कमजोर बनाए रखा। कांग्रेस की सरकारों ने सेना के लिए हथियार खरीदने में भी अपना फायदे पर ज्यादा ध्यान दिया। इन लोगों ने पूरी ताकत लगाकर देश की वायुसेना को कमजोर करने और राफेल विमान से वंचित रखने का प्रयास किया। अगर आज देश में कांग्रेस की सरकार होती भारत में निर्मित तेजस फाइटर प्लेन आकाश की बुलंदियों की नहीं छू रहा होता। भाजपा सरकार ने भारतीय सेना को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। आज भारत की पहचान, दूसरे देशों को हथियार निर्यात करने वाले देश के रूप में बन रही है। पिछले वर्ष में भारत ने 21 हजार करोड़ रुपए के हथियार दूसरे देशों को बेचे हैं। भारत ब्रह्मोस मिसाइल को भी निर्यात करने की ओर आगे बढ़ रहा है। कुछ ही क्षणों में ब्रह्मोस मिसाइल की पहली खेप फिलिपीन्स जाने वाली है। इसके लिए सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश में चारों ओर निराशा का माहौल बना हुआ था। 2014 में मोदी देशवासियों के बीच एक उम्मीद बनकर आया था, जिसे समूचे देश ने अपना आशीर्वाद दिया। 2019 में मोदी देश के पास विश्वास लेकर आया था, मगर आज मोदी देश के सामने गारंटी लेकर आया है। मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी। मोदी की गारंटी है कि गरीब, किसान, नौजवान और देश की माताओं-बहनों समेत प्रत्येक लाभार्थी को शत प्रतिशत सुविधाएं प्राप्त होंगी। विगत 10 वर्षों में मध्य प्रदेश के 40 लाख से अधिक परिवारों को पक्का घर मिला है। भाजपा ने संकल्प लिया है कि आगामी वर्षों में तीन करोड़ नए आवास बनाएं जाएंगे। मोदी की गारंटी है कि जिन पात्र व्यक्तियों को अब तक गैस कनेक्शन, नल से जल और पक्के आवास नहीं मिले हैं, मोदी सरकार उन सभी को यह सभी लाभ आगामी पांच वर्षों में मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि हर परिवार के लिए राशन और इलाज का खर्च मायने रखता है, इसलिए हमारी सरकार ने निःशुल्क राशन की योजना को आगामी पांच वर्षों तक बढ़ाने का संकल्प लिया है, ताकि गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे और गरीब का बच्चा भूखे पेट न सोए। मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हर वर्ग के 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को निःशुल्क इलाज का लाभ देने की गारंटी दी है। भाजपा ने हर घर जल और हर खेत में पानी का भी संकल्प लिया है। बुंदेलखंड में पानी की समस्या का समाधान करने के लिए मोदी सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से निःशुल्क बिजली और बिजली से कमाई की भी हमने गारंटी दी है। जिनके पास गारंटी देने के लिए कुछ नहीं है, उनकी गारंटी मोदी ने ली है। पूर्व की सरकारों मे गरीब, दलित, आदिवासी और वंचित समुदायों के युवा कोई व्यवसाय नहीं कर पाते थे, क्योंकि उनके पास बैंक को देने के लिए गारंटी नहीं होती थी, लेकिन मोदी ने मुद्रा योजना के तहत इन युवाओं को लाखों करोड़ों रुपए का ऋण प्रदान कर इनके हौसलों को पंख प्रदान किए हैं।

कार से कुचले जाने से भाजपा नेता की मौत, विरोध प्रदर्शन शुरू

बेंगलुरु। कर्नाटक में शुक्रवार को कोडागु जिले में चुनाव प्रचार के दौरान हिट-एंड-रन दुर्घटना में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई। सूत्र ने बताया कि इस घटना के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घटनास्थल पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में घटना के कारण भाजपा समर्थक और कार्यकर्ता सड़क पर बैठे और नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं। अफरा-तफरी के बीच पुलिस अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश करते देखा जा सकता है। तीन लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या की सजा) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है। मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

दुकान में लगी आग लाखों का नुकसान

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रुपहीहाट इलाके में स्थित आशीर्वाद भवन में शुक्रवार को अचानक आग लगने की वजह से इलाके में अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आशीर्वाद भवन में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक कई दुकानों में आग लग गई। आग के दौरान एक कपड़े का दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग की वजह से लगभग 20 लख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

अरुणाचल : विस में 66.32% और लोस में 64.24 % हुआ मतदान

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में एक साथ लोकसभा ओर विधानसभा चुनाव-2024 के लिए आज सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक के मिले आंकड़ों के अनुसार विधानसभा के लिए 66.32 प्रतिशत तथा लोकसभा के लिए 64.24 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है। राज्य में मतदान आज सुबह 7 बजे शुरू हुआ मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्वक रहा। राज्य में कुल 892694 मतदाता हैं, जिसमें 338433 पुरुष, 454256 महिला और 5 ट्रांसजेंडर वोटर हैं। वहीं राज्य के कूल 2226 मतदान केंद्रों पर आज मातदान हुआ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम ने पीएम से पूछे तीन सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनावी सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। रविवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर थे तभी से कांग्रेस हमलावर है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री के दौरे को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने मध्यप्रदेश से जुड़े तीन प्रश्न पूछे हैं। उन्होंने आगे इसका विस्तार से विवरण भी दिया है। सोशल मीडिया एक्स पर जयराम रमेश लिखा है कि आज प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश जा रहे है। ये राज्य को लेकर उनसे हमारे सवाल हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि पेपर लीक और भर्ती घोटाले में प्रधानमंत्री किसे बचा रहे हैं? अधिकार कानून को ठीक ढंग से लागू न करके भाजपा आदिवासियों की आजीविका और उनके अधिकारों के साथ खिलवा? क्यों कर रही है? मध्यप्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराध दर सबसे अधिक है। यह क्यों लगातार बढ़ता जा रहा है?

शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगू ने किया मतदान

लखीमपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगू ने आज लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के 78 धेमाजी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पश्चिम गोगामुख माध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। उन्होंने उम्मीद जताई कि भाजपा उम्मीदवार 100 फीसदी जीतेंगे। शिक्षा मंत्री डॉ. पेगू के साथ ही मिसिंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य परमानंद सेंगिया ने भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। उन्होंने गठबंधन के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया।

अगप अध्यक्ष अतुल बोरा ने बोकाखात में डाला वोट

गोलाघाट (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान प्रक्रिया आज 19 अप्रैल से शुरू हो गई है। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर काफी भीड़ देखी गई। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पहले चरण में असम में पांच निर्वाचन क्षेत्रों शोणितपुर, जोरहाट, डिब्रूगढ़, काजीरंगा और लखीमपुर में वोट डाले गए हैं। असम गण परिषद के अध्यक्ष एवं मंत्री अतुल बोरा ने बोकाखात में काजीरंगा निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार के समर्थन में वोट डाला। मंत्री ने बोकाखात में ज्योति विद्यापीठ मतदान केंद्र संख्या 129 पर अपना वोट डाला। मतदान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि राजग गठबंधन को इस चुनाव में अपार सफलता मिलेगी।

रोजलीना तिर्की ने खुमटाई में डाला वोट

गोलाघाट (हिंस)। पहले चरण में काजीरंगा निर्वाचन क्षेत्र सहित पांच निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। नवगठित काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उम्मीदवार रोजलीना तिर्की ने आज अपना वोट डाला। प्रत्याशी ने खुमटाई विधानसभा क्षेत्र के शरिया घाट प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र संख्या 152 पर अपना वोट डाला। रोजलीना तिर्की ने अपने पिता और सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक अकलियास तिर्की के साथ अपना वोट डाला।

कांग्रेस देशहित में विश्वास रखने वाली पार्टी : खड़गे

कटिहार (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को बिहार के कटिहार जिला पहुंचे। उन्होंने राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और बिहार में एनडीए की सरकार होने के बावजूद सीमांचल का क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के कल कारखाने बंद हो गए और शेष बंद होने के कगार पर हैं। यहां के लोग रोजगार को लेकर पलायन कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोग कल तक हमारे साथ थे लेकिन आज वे भाजपा और एनडीए गठबंधन के साथ हैं लेकिन जनता अभी भी आईएनडीआई एलायंस के साथ मजबूती से जुड़ी है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस सिद्धांत वाली पार्टी हमेशा से रही है। हमेशा देशहित में विश्वास रखने वाली पार्टी है। कांग्रेस के दो बड़े नेता इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी ने देश की सेवा करते हुए जान दे दी। कांग्रेस का उसूल होता है, जिनके लिए हम लड़ते रहते हैं और भाजपा का क्या है आरएसएस के एजेंडे को आगे ले जाना। खड़गे ने जनसभा में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि इस देश में आरएसएस का एजेंडा चले? यदि नहीं तो कटिहार से कांग्रेस प्रत्याशी तारिक अनवर को भारी बहुमत देकर देश में आईएनडीआई एलायंस को मजबूत करते हुए केंद्र में सरकार बनाये।

पृष्ठ एक का शेष

पहले चरण की ...

और सिक्किम विधानसभा के लिए 52.73 प्रतिशत मतदान हुआ है। उपचुनाव की बात की जाए तो तमिलनाडु की एक विल्वनकोड सीट पर 45.43 और त्रिपुरा की रामनगर सीट पर 56.68 प्रतिशत मतदान हुआ है। आयोग ने मतदान को सुखद और यादगार अनुभव में बदलने पर विशेष जोर दिया है। पानी, शेड, शौचालय, रैंप, स्वयंसेवक, व्हीलचेयर और बिजली जैसी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं मौजूद हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बुजुर्गों और विकलांग व्यक्तियों सहित प्रत्येक मतदाता आसानी से अपना वोट डाल सकें। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। आयोग की ओर से 41 हेलीकॉप्टर, 84 विशेष ट्रेन और करीब एक लाख चार पहिया वाहन तैनात किए गए हैं। जो मतदान केंद्रों पर अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही सुनिश्चित करेंगे। आयोग के अनुसार करीब 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों की वेब कास्टिंग की जा रही। 661 पर्यवेक्षक तैनात हैं। इनमें 127 सामान्य पर्यवेक्षक, 67 पुलिस पर्यवेक्षक और 167 व्यय पर्यवेक्षक हैं। ये चुनाव आयोग की आंख, कान और नाक की भूमिका निभाएंगे। अंतरराज्यीय सीमाओं पर 1375 और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 162 चेक पोस्ट बनाई गई हैं, ताकि अवैध सामग्री की आवाजाही न हो।

असम में 70 फीसदी...

पोल के दौरान देखी गई, जो वास्तविक मतदान शुरू होने से 90 मिनट पहले शुरू हुआ था। उन गड़बड़ियों को तुरंत ठीक कर लिया गया। उन बूथों पर मतदान कुछ देर से शुरू हुआ और अब यह सुचारू रूप से चल रहा है। वकालत की आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को असम के लखीमपुर निर्वाचन क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ले जा रही एक एसयूवी आंशिक रूप से पानी का स्तर बढ़ने के बाद नदी में डूब गई, जिससे एक मशीनीकृत नाव नदी में बह गई। वाहन में पानी घुसने से पहले वाहन का चालक और मतदान अधिकारी भागने में सफल रहे। अधिकारी ने बताया कि सुबह मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी का पता चलने के बाद यह ईवीएम को बदलने के लिए सादिया के अमरपुर इलाके में जा रहा था। पहले चरण में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 10,001 थी, जिनमें से 92 मॉडल मतदान केंद्र, 11 दिव्यांग-प्रबंधित और 752 महिला-प्रबंधित केंद्र थे। 5,509 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग उपलब्ध थी। 100 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक लंकेश्वर बरुआ ने घर पर मतदान न करने का फैसला किया और अपनी पत्नी के साथ डिब्रूगढ़ के नाहरकटिया में एक बूथ पर गए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि किसने कहा मैं बूढ़ा हूं? मैं खुद आकर वोट कर सकता हूं। मैंने कभी भी घर से मतदान नहीं किया है, जब मैं घूम सकता हूं तो मुझे वोट क्यों देना चाहिए? पहले चरण में कुल 40,004 मतदान कर्मी लगे थे, जिनमें राज्य और केंद्रीय बलों के सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। पांचों निर्वाचन क्षेत्रों में कुल मिलाकर 35 उम्मीदवार मैदान में हैं।

राज्य में खराबी के ...

के दौरान देखी गईं, जो वास्तविक मतदान शुरू होने से 90 मिनट पहले शुरू हुई थीं और इसके बाद उन मशीनों को बदल दिया गया था। उन्होंने कहा कि वास्तविक मतदान शुरू होने के बाद छह ईवीएम को बदला गया। इसके अलावा, विभिन्न मतदान केंद्रों पर 40 और वीवीपैट बदले गए। ईवीएम में तीन घटक होते हैं - कंट्रोल यूनिट (सीयू), वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) और बैलेट यूनिट (बीयू)। अधिकारी ने हालांकि इस बारे में बताने से इनकार कर दिया कि किस निर्वाचन क्षेत्र में कितनी ईवीएम में खराबी आई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि ईवीएम में खराबी की खबरें लखीमपुर के बिहपुरिया के कम से कम तीन मतदान केंद्रों, होजाई, कलियाबर और बोकाखाट के एक-एक और डिब्रूगढ़ के नाहरकटिया के एक मतदान केंद्र से आईं।

ईवीएम ले जा...

ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी का पता चलने के बाद यह ईवीएम को बदलने के लिए सादिया के अमरपुर इलाके में जा रहा था। सादिया में तैनात एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने ड्राइवर और एक अधिकारी के साथ एसयूवी को ईवीएम के साथ रवाना किया। जैसे ही वाहन को एक मशीनीकृत नाव द्वारा देवपानी नदी के पार ले जाया जा रहा था, उसका जल स्तर और धारा अचानक बढ़ गई। पानी के वेग के कारण नाव डूब गई और वाहन भी आंशिक रूप से डूब गया। उन्होंने कहा कि वाहन को पानी से बाहर निकालने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम को बुलाया गया। प्रतिस्थापन के लिए रखी गई ईवीएम दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गई।

मणिपुर में मतदान...

झड़प हो गई। कुकी बहुल विधानसभा क्षेत्रों में एक बजे तक बहुत ही कम मतदाता मतदान करने आए। एक अधिकारी ने बताया कि कांगपोकपी जिले के सैतु और सैकुल निर्वाचन क्षेत्रों में क्रमशः 13.22 प्रतिशत और 8.58 प्रतिशत मतदान हुआ ।चुराचांदपुर में 43.67 प्रतिशत मतदान हुआ। नगा और कुकी बहुल चंदेल निर्वाचन क्षेत्र में 68.63 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, मैतेई बहुत आउटर मणिपुर के क्षेत्रों में कुकी बहुल क्षेत्रों की तुलना में अधिक मतदान दर्ज किया गया।

असम : पहले चरण...

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोग खुश हैं और यही कारण है कि वे बड़ी संख्या में बाहर आ रहे हैं। गोगोई ने जोरहाट शहर के देवी चरण बरुआ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक मतदान केंद्र पर मतदान किया। सोनोवाल के प्रतिद्वंद्वी लुरिनज्योति गोगोई ने तिनसुकिया जिले में, शोणितपुर से भाजपा के उम्मीदवार रंजीत दत्ता ने बेहाली में, काजीरंगा से कांग्रेस उम्मीदवार रोजेलिना तिर्की ने सरूपथार में और लखीमपुर से भाजपा उम्मीदवार प्रदान बरुआ ने धेमाजी में मतदान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने बिहपुरिया के देवताला एमई स्कूल के एक बूथ पर मतदान किया। जोरहाट में एक मतदान केंद्र पर कतार में खड़ी 20 वर्षीय अख्तरा बेगम ने कहा कि मैं सुबह छह बजे मतदान केंद्र पर पहुंची। मैं मतदान करने से चूकना नहीं चाहती थी। अपना भविष्य तय करने के लिए यह मेरे पास एकमात्र विकल्प है। पहले चरण में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 10,001 है। महिलाएं सुबह पांच बजे से ही मतदान केंद्रों के सामने कतार में खड़ी देखी गईं और उनमें से ज्यादातर ने कहा कि वे जल्दी वोट डालना चाहती हैं, ताकि वे घर लौटकर अपने दैनिक काम जारी रख सकें। इन पांच लोकसभा क्षेत्रों में भले ही महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं के मुकाबले अधिक है, लेकिन कुल 35 प्रत्याशियों में से केवल चार महिला उम्मीदवार हैं। इन चार महिला उम्मीदवारों में से कांग्रेस की रोजेलिना तिर्की समेत तीन प्रत्याशी काजीरंगा सीट से मैदान में हैं। इनमें निर्दलीय और पहले चरण में राज्य की सबसे धनी उम्मीदवार दिलुवारा बेगम चौधरी भी शामिल हैं। काजीरंगा संसदीय क्षेत्र में महिला मतदाताओं की संख्या 10 लाख 25 हजार 2010 है, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 24 हजार 883 है। गण संग्राम परिषद की उम्मीदवार रिंकू रॉय शोणितपुर से चुनाव मैदान में हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या 8 लाख 21 हजार 12 और पुरुष मतदाताओं की संख्या 8 लाख 12 हजार 755 है। जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में 8 लाख 78 हजार 192 महिला मतदाता और 8 लाख 48 हजार 923 पुरुष, डिब्रूगढ़ में 8 लाख 49 हजार 563 महिला मतदाता और 8 लाख 09 हजार 990 पुरुष और लखीमपुर में 7 लाख 90 हजार 882 महिला मतदाता और 7 लाख 86 हजार 335 पुरुष मतदाता हैं।

मेघालय में दिखा चुनाव...

करने की उम्मीद में सुबह 6.30 बजे बूथ पर पहुंच गया। लेकिन मुझे यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि मुझसे पहले कई लोग थे। यह एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में वोट करने और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने की अपील की। बता दें कि मेघालय की दो लोकसभा सीटों- तुरा और शिलांग पर मतदान चल रहा है। मेघालय की दो लोकसभा सीटें उन 102 सीटों में शामिल हैं, जहां लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान हो रहा है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 4 बजे समाप्त होने वाला है।

सीएए : नई याचिका ...

परिवर्तन हुआ। मूलनिवासी, जो कभी बहुसंख्यक हुआ करते थे, अब अपनी ही भूमि पर अल्पसंख्यक हो गए हैं। हाल ही में पीठ ने सीएए नियमों के संचालन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्र से उन आवेदनों पर जवाब देने को कहा कि जिनमें कोर्ट की ओर से सीएए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक उनके कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा कि सीएए नियम, 2024 *संविधान का उल्लंघन करते हैं,* क्योंकि वे स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण, एकतरफा, अवैध और संविधान की मूल संरचना के खिलाफ हैं। याचिका में बांग्लादेश से असम में अवैध प्रवासियों के *अनियंत्रित* संख्या में आने का मुद्दा उठाते हुए कहा गया है कि यह कोई सांप्रदायिक मुद्दा नहीं है।

यह मतदान का...

देखकर वाकई खुशी महसूस होती है। उन्होंने कहा कि हमें कई जगह से खबर मिल रही है कि बारिश हो रही है। भले ही बारिश क्यों न हो रही हो, लेकिन लोग बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए बाहर आ रहे हैं। महिलाएं, युवा, बूढ़े हर कोई मतदान केंद्र जाता दिख रहा है। यह देखना बहुत अच्छा है कि लोग लोकतंत्र के लिए आगे बढ़ रहे हैं। विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर राजीव कुमार ने कहा कि यह मामला अब सुलझ गया है। यह 100 फीसदी सुरक्षित है। यह बात सुप्रीम कोर्ट में भी उठाई गई है लेकिन मशीनों का कुछ नहीं हो सकता। मॉक पोल हो चुका है। यह मतदान का आनंद लेने का समय है, किसी भी चीज पर संदेह करने का नहीं।

इजराइल के हमले ...

यूरेनियम संवर्धन का प्रमुख केंद्र भी है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के हवाई क्षेत्र में कई फ्लाइट्स के मार्ग बदले गए हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। दरअसल ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने हमले का आरोप इजराइल पर लगाया था। इसी हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर हमला किया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वह और ताकत के साथ पलटवार करेगा। ईरान और इजराइल के बीच तनाव का यह मसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उठ चुका है। इजराइल ने मांग की थी ईरान की सेना को आतंकी संगठन घोषित किया जाए। इस पर ईरान ने अमेरिका से कहा था कि वह हम दोनों के बीच में न आए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने दोनों देशों से अपील की थी कि वे शांति और संयम से काम लें। पश्चिम एशिया एक और युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दो इजरायली रक्षा अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि इजराइली सेना ने शुक्रवार तड़के ईरान पर हमला किया। यह पांच दिन पहले हुए हमले पर इजराइल की पहली सैन्य प्रतिक्रिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि शुक्रवार तड़के मध्य ईरान के इसाफान शहर के पास सैन्य हवाई अड्डे पर हमला हुआ। मगर इन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि हमला किस देश ने किया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से संबद्ध ईरानी समाचार एजेंसी फारस न्यूज ने कहा कि इस शहर के नागरिक हवाई अड्डे के पास विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इजराइल की सेना ने इस घटनाक्रम पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी वर्चस्व की जंग से टकराव बढ़ेगा। फारस न्यूज एजेंसी का कहना है कि ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल रहीम मौसवी ने बुधवार को कहा था कि अगर हमला होता है देश चुप नहीं बैठेगा। अल जजीरा न्यूज चैनल के अनुसार हमले के बाद कई ईरानी शहरों में उड़ानें निलंबित कर दी गईं। सीरिया और इराक से भी विस्फोट की खबरें आ रही हैं। इजराइली हमले में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के दो जनरल सहित 13 लोग मारे गए हैं। ईरान ने कहा है कि उसने तीन ड्रोन नष्ट कर दिए हैं। इस बीच ईरान ने अपनी परमाणु नीति में संशोधन के संकेत दिए हैं। परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा कोर के प्रमुख जनरल अहमद हक तलब ने आगाह किया कि ईरान के परमाणु केंद्रों पर तेल अवीव के हमले की स्थिति में तेहरान अपने परमाणु सिद्धांत और नीतियों को बदल सकता है और इजराइल की परमाणु सुविधाओं पर भी हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी इजराइली परमाणु केंद्रों की पहचान कर ली है। तेहरान टाइम्स के अनुसार तलब ने चेतावनी दी है कि इजराइल को *जैसे को तैसा* प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा।

वासुकि नाग के ...

स्थित है और यहां से कोयले की निम्ननम गुणवत्ता वाला कोयला (लिग्नाइट) निकाला जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में यह शोध प्रकाशित हुआ है। शोध के मुख्य लेखक और आईआईटी रुड़की के शोधार्थी देबाजीत दत्ता ने बताया कि आकार को देखते हुए कहा जा सकता है कि वासुकि एक धीमा गति से विचरण करने वाला सर्प था, जो एनाकोंडा और अजगर की तरह अपने शिकार को जकड़ कर उसकी जान ले लेता था। जब धरती का तापमान आज से कहीं अधिक था तब यह सर्प तटीय क्षेत्र के आसपास दलदली भूमि में रहता था। यह सर्प 6.5 करोड़ वर्ष पूर्व डायनासोर का अस्तित्व खत्म होने के बाद आरंभ हुए सेनोजोइक युग में रहता था। वासुकि नाग की रीढ़ की हड्डी का सबसे बड़ा हिस्सा साढ़े चार इंच का पाया गया है और विज्ञानियों के अनुसार विशाल सर्प की बेलनाकार शारीरिक संरचना की गोलाई करीब 17 इंच रही होगी। इस खोज में सर्प का सिर नहीं मिला है। दत्ता का कहना है कि वासुकि एक विशाल जीव रहा होगा, जो अपने सिर को किसी ऊंचे स्थान पर टिकाने के बाद शेष शरीर को चारों ओर लपेट लेता रहा होगा। फिर यह दलदली भूमि में किसी अंतहीन ट्रेन की तरह विचरण करता रहा होगा। यह मुझे जंगलबुक के विशालकाय सर्प *का* की याद दिलाता है। विज्ञानी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं है कि वासुकि का भोजन क्या था लेकिन इसके आकार को देखते हुए माना जा रहा है कि यह मगरमच्छ और कछुए के अलावा व्हेल की दो आदिम प्रजातियों को खाता रहा होगा। वासुकि करीब नौ करोड़ वर्ष पहले पाए जाने वाले मैडसोइड सर्प वंश का सदस्य था, जो करीब 12,000 वर्ष पहले विलुप्त हो गया। सर्प की यह प्रजाति भारत से निकल कर दक्षिणी यूरेशिया और उत्तरी अफ्रीका तक फैल गई।

पाकिस्तान में विदेशी...

को किसी तरह की चोट नहीं पहुंची। उन्हें तुरंत सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आत्मघाती हमले की पुष्टि की है। बता दें पाकिस्तान में बीते कुछ सालों से चीनी नागरिकों को भी इसी तरह निशाना बनाकर उन पर हमले किए जा रहे हैं। हाल ही में चीन के पांच इंजीनियर्स की पाकिस्तान में मौत हो गई थी।

नगालैंड के छह ...

नगालैंड के म्यांमार की सीमा से सटे सभी छह जिलों के जनजातियों के संगठन पूर्वी नगालैंड पीपल्स ऑर्गेनाइजेशन (ईएनपीओ) ने फ्रंटियर नगालैंड नाम से पृथक राज्य की मांग पूरी न होने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की थी। इसके चलते 20 विधानसभा क्षेत्रों के किसी भी मतदान पर एक भी वोट नहीं डाला गया। शुक्रवार दोपहर 1 बजे तक एक भी वोट नहीं पड़ने पर नगालैंड के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इन संगठन को नोटिस जारी किया है। चार लाख से अधिक मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में सात जनजातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले ईएनपीओ की ओर से बहिष्कार का आह्वान किया गया था। यह संगठन सन् 2010 से एक अलग राज्य की मांग कर रहा है। ईएनपीओ क्षेत्र का गठन करने वाले नगालैंड के मोन, तुएनसांग, लॉन्गलेंग, किफिरे, शामतोर और नोकलाक जिले इसमें शामिल हैं।

लोस चुनाव : सीएम ने ...

की, जिससे असम में बहुत जरूरी शांति आई है। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति मोदी की प्रतिबद्धता का भी जिक्र करते हुए कहा कि मोदी महिलाओं को सर्वाइकल वैक्सीन देंगे। शर्मा ने कहा कि केवल नरेंद्र मोदी ही ऐसा तब तक करते हैं जब तक वह रात में काजीरंगा में गले में गमोसा पहनकर रहते हैं। मोदी के व्यावहारिक दृष्टिकोण और लोगों के साथ जुड़ाव पर प्रकाश डाला गया। रोजगार के मुद्दे को संबोधित करते हुए शर्मा ने सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमने एक लाख नौकरियां दीं। मैं इस बार चुनाव के बाद फिर से 50,000 नौकरियां दूंगा। रोजगार के अवसर पैदा करने की इस प्रतिबद्धता ने रैली में उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने भीड़ को विकासात्मक परियोजनाओं के बारे में आश्वासन देते हुए कहा कि बरदोआ-थान का पुनर्निर्माण किया जाएगा।

लोस चुनाव ड्यूटी में तैनात सुरक्षाकर्मी की हृदयाघात से मौत

एजल। मिजोरम में लोकसभा चुनाव ड्यूटी पर तैनात 28 वर्षीय एक सुरक्षाकर्मी की शुक्रवार को हृदयाघात से मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि द्वितीय इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) में तैनात लालरिपुइया चंफाई जिले के वांगछिया मतदान केंद्र पर शुक्रवार सुबह तब मृत पाया गया जब उसके साथियों ने उसे उठाने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि उसकी मौत तड़के करीब 4. 45 बजे पर हुई। उन्होंने बताया कि चंफाई जिले में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव को ख्वाजवाल जिले स्थित उसके पैतृक कवलखुल्ह गांव भेज दिया गया। इस दौरान चंफाई जिले के उपायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी जेम्स लालरिनछन्ना और चंफाई के पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार मौजूद रहे। जेम्स ने मृतक सुरक्षाकर्मी के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि इसकी जानकारी राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मधुप व्यास को दे दी गई है। जेम्स ने बताया कि चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत होने पर दी जाने वाली अनुग्रह राशि उनके परिवार को यथाशीघ्र मुहैया कराई जाएगी। लालरिपुइया का जन्म अप्रैल 1996 में हुआ था और वह जनवरी 2018 में द्वितीय इंडियन रिजर्व बटालियन में भर्ती हुए। मिजोरम की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को मतदान कराया गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न राज्य में 70.77 व मिजोरम में 53.96 प्रतिशत मतदान

गुवाहाटी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पूर्वोत्तर राज्यों में शुक्रवार को शाम 6 बजे तक हुआ। पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे अधिक मतदान असम में 70.77 प्रतिशत और सबसे कम मिजोरम में 53.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर इन राज्यों में मतदान शांतिपूर्ण रहा। चुनाव आयोग के अनुसार शाम के 6 तक पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे अधिक मतदान असम में 70.77 प्रतिशत दर्ज किया गया। इनके अलावा त्रिपुरा में 76.10 प्रतिशत, मणिपुर में 68.62 फीसदी, मेघालय में 69.91 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 64.07 प्रतिशत नगालैंड में 56.18 प्रतिशत मतदान हुआ है। मणिपुर में एक बूथ पर गोलीबारी होने तथा एक अन्य मतदान केंद्र पर जबरन बंदूक के दम पर वोट डलवाने का मामला सामने आया। कुल मिलाकर पूर्वोत्तर राज्यों में पहले चरण का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि म्यांमार की सीमा से सटे नगालैंड के छह जिलों में किसी भी मतदान केंद्र पर एक भी वोट नहीं डाला गया। इन छह जिलों में स्थानीय जनजातियों संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की थी। चुनाव का बहिष्कार करने के कारण इन संगठनों के विरुद्ध राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने नोटिस जारी किया है। मिली सूचना के अनुसार असम की पांच सीटों के लिए शुक्रवार की सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया। उल्लेखनीय है कि आज मतदान में कुल 86,47,869 वयस्क मतदाता 35 उम्मीदवारों के

भाग्य का फैसला करेंगे। जानकारी के अनुसार पहले चरण के लिए मतदान केंद्रों की कुल संख्या 10 हजार 001 हैं। जिनमें से 92 मॉडल मतदान केंद्र हैं। 11 पीडब्ल्यूडी-प्रबंधित मतदान केंद्र हैं और 752 महिला-प्रबंधित मतदान केंद्र हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ईसीआई के निर्देशानुसार मतदान दिवस की कार्यवाही की निगरानी के लिए सीईओ, असम द्वारा लाइव मॉनिटरिंग और वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। 5509 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है। वेबकास्टिंग के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी मतदान के दिन मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया की लाइव निगरानी कर रहे हैं। सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) जैसे पीने का पानी, पर्याप्त फर्नीचर, प्रतीक्षा शेड, शौचालय, प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, बच्चों के लिए क्रेस का प्रावधान, उचित साइनेज, पीडब्ल्यूडी मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप का प्रावधान और मतदाता का मार्गदर्शन के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुविधा पोस्टर उपलब्ध कराए गए हैं। बुजुर्ग लोगों के लिए परिवहन सुविधाएं और विकलांग मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर के साथ-साथ स्वयंसेवकों की सहायता जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। मोबाइल ऐप सक्षम का उपयोग दिव्यांग मतदाताओं द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण करके परिवहन का विकल्प चुनने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, अन्य आईटी एप्लिकेशन जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, केवाईसीईसीआई ऐप, सी विजिल ऐप और चुनाव हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं के लाभ के लिए 1950 पर कॉल किए जा सकते हैं। कुल 10,001 बूथों पर कुल 40,004 मतदान और पीठासीन अधिकारी तैनात कये जा रहे हैं। कुल 10,001 मतपत्र इकाइयां (बीयू), 10,001 नियंत्रण इकाइयां (सीयू) और 10,001 वीवीपीएटी का इस्तेमाल किया जा रहा है। आयोग ने महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों के लिए माइक्रो-ऑब्जर्वरों की भी प्रतिनियुक्ति की है। कुल मिलाकर, पहले चरण में 5 सीटों, 10-काजीरंगा, 11-शोणितपुर, 12-लखीमपुर, 13-डिब्रूगढ़ और 14-जोरहाट के लिए 35 उम्मीदवार मैदान में हैं। आज के मतदान वाले क्षेत्रों में कुल 86,47,869 मतदाता हैं। इनमें से 42,82,887 पुरुष मतदाता, 43,64,859 महिला मतदाता और 123 तीसरे लिंग के मतदाता हैं। इसके अलावा, डाक मतपत्र सुविधा आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्तियों के अलावा, 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों के लिए भी उपलब्ध कराया गया है।

अरुणाचल के सुदूर अंजॉ जिले में एकमात्र मतदाता ने किया शत-प्रतिशत मतदान

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सुदूर अंजॉ जिले में बनाए गए एक अनोखे मतदान केंद्र मालोगम में शुक्रवार को एकमात्र महिला मतदाता ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए शत-प्रतिशत मतदान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि 44-वर्षीया सोकेला तयांग ने अपराह्न करीब एक बजे मतदान किया। मतदान अधिकारियों की एक टीम ने एकमात्र मतदाता के लिए दुर्गम इलाके में लगभग 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा की और वहां मतदान केंद्र स्थापित किया। सोकेला ने कहा कि मैं अपने मताधिकार का इस्तेमाल करके खुश हूं और मुझे मतदान करने का अवसर देने के लिए मैं निर्वाचन अधिकारियों को धन्यवाद करता हूं। निर्वाचन अधिकारियों के मुताबिक, मालोगाम में बहुत कम परिवार रहते हैं और तयांग को छोड़कर बाकी सभी मतदाता अन्य मतदान केंद्रों पर पंजीकृत हैं, लेकिन वह (तयांग) मतदान करने के लिए दूसरे मतदान केंद्रों पर जाने को तैयार नहीं थीं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार सैन ने कहा कि संख्या हमेशा मायने नहीं रखती है, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हर नागरिक की आवाज सुनी जाए। सोकेला तयांग का वोट समावेशिता और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह गांव चीन की सीमा से लगे अंजॉ जिले के हयुलियांग विधानसभा क्षेत्र और अरुणाचल पूर्व लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है। यहां कम से कम छह उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यहां कांग्रेस पार्टी के बोसीराम सिरम और भाजपा के मौजूदा सांसद तापिर गाओ के बीच सीधा मुकाबला है।

बिजुली कलिता मेधी ने गुवाहाटी से किया नामांकन पत्र दाखिल

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी ने गुवाहाटी लोकसभा सीट से शुक्रवार को तीसरे चरण में 7 मई को होने वाले चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के अवसर पर राजधानी के खानापाड़ा में आयोजित एक विशाल रैली को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने संबोधित किया। रैली के बाद भाजपा उम्मीदवार मेधी रोड शो करते हुए गुवाहाटी के जिला आयुक्त के कार्यालय पहुंची, जहां उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, पूब गुवाहाटी के विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, मंत्री जयंत मल्लबरुवा समेत भाजपा के कई नेता तथा बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने एजल में किया मतदान

एजल (हिंस)। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने आज एजल के चौल्हमुन गवर्नमेंट कांप्रिहेंसिव मिडिल स्कूल मतदान केंद्र पर अपना वोट डालकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया। मिजोरम में चल रहे लोकसभा चुनावों में मतदाता बड़ी संख्या में मतदान कर रहे हैं। दोपहर 1 बजे तक राज्य भर में कुल 43.35 फीसदी मतदान हुआ। एजल में 38.09 फीसदी, लुंगलेई में 45.86 फीसदी, सियाहा में 43.80 फीसदी, चंफाई में 45.67 फीसदी, कोलासिब में 44.08 फीसदी, सेरचिप में 45.24 फीसदी, लांगत्लाई में 51.67 फीसदी, ममित में 45.64 फीसदी, खूवाजॉल में 47.90 फीसदी, हनथियाल में 43.73 फीसदी तथा सीटुअल जिले में 42.52 फीसदी मतदान हुआ।

होजाई जिले में 66.79 प्रतिशत मतदान

होजाई (विभास)। काजीरंगा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत होजाई जिले में लोकसभा चुनाव का पहला चरण शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र होजाई, लामडिंग और बिन्ना कांदी के 814 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से ही मतदाता अपने वोट डालने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए। हालांकि, मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय के बाद भी विभिन्न मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में मतदाता कतारों में खड़े देखे गए, जो लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की अच्छी भागीदारी को दर्शाता है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे तक जारी रहा। शाम 5 बजे तक पूरे होजाई जिले में करीब 66.79 प्रतिशत वोट पड़े यानी कुल 741842 मतदाताओं में से 495512 ने वोट डाला। तीन विधानसभा क्षेत्र – 62 नंबर बिन्ना कांदी 71.91त्न, 63 नंबर होजाई 65त्न और 64 नंबर लामडिंग 63.2त्न है। 10वीं काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र में 11 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद ताशा, कांग्रेस से शरूपथार सीट से पूर्व विधायक रोजलिना तिर्की, भारतीय गण परिषद से शैलन चंद्र मालाकार,असम जाना मोर्चा के सलीम अहमद, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के सलेह अहमद मजूमदार, वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल की एनिमा डेका गुप्ता, निर्दलीय उम्मीदवार-विनोद गोगोई, दिलवारा बेगम चौधरी, ज्योतिषका रंजन गोस्वामी, अब्दुल हका व त्रिदीप ज्योति भुयां थे। अब 4 जून को मतगणना के पश्चात यह जग जाहिर होगा की मतदाताओं ने 10 नंबर काजीरंगा क्षेत्र के लिए अपना प्रतिनिधि किसको चुना है।

मतदान से पहले विज्ञापन के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक

रंगिया (विभास)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने राज्य/जिला मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति की पूर्व अनुमति के बिना मतदान के दिन और मतदान से एक दिन पहले राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों या किसी अन्य संगठन या व्यक्ति द्वारा प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मतदान से ठीक पहले प्रकाशित किसी भी प्रकार के भ्रामक और आपत्तिजनक विज्ञापन से विरोधी पक्ष को सफाई देने का मौका नहीं मिलेगी, इसलिए चुनाव आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐसे किसी भी भ्रामक और आपत्तिजनक विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के लिए यह निर्देश जारी किया है।

महानिदेशक ने प्रथम बटालियन एनडीआरएफ के कार्यों को सराहा

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक पीयूष आनंद ने प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल बटालियन मुख्यालय का दौरा करते हुए सैनिक सम्मेलन के दौरान सभी बचाव कार्मिकों की हौसला आफजाई की। ज्ञात हो कि प्रथम बटालियन एनडीआरएफ गत 15 वर्षो से चार पूर्वोत्तर राज्यों के 57 जिलों में हर प्रकार की आपदा में अपनी अथक सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही यह अद्भुत बल अन्य विभिन्न सामाजिक उत्थान गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। गुवाहाटी के पाटगांव स्थित प्रथम बटालियन एनडीआरएफ मुख्यालय के पीआरओ ने आज बताया है कि दो दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे महानिदेशक आनंद ने ब्रह्मपुत्रा रिवर फ्रंट उजान बाजार घाट गुवाहाटी, पलासबारी घाट मिर्जा का दौरा किया तथा बटालियन मुख्यालय पटगांव मे सैनिक सम्मलेन में हिस्सा लिया। सूत्रों ने बताया है कि उनका दौरा अत्यधिक सफल रहा। महानिदेशक ने समादेष्टा प्रथम बटालियन एनडीआरएफ के कमांडेंट एचपी एस कंडारी के कुशल नेतृत्व में बचाव कर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी इस गरिमा को बनाए रखने के लिए उत्साहित किया।

नवनिर्मित रथ पर सवार होंगे गल्लापट्टी के हनुमानजी

गुवाहाटी (विभास)। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण होने पर इस बार गल्लापट्टी मंदिर के हनुमान जी नवनिर्मित रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हुए भक्तों को दर्शन लाभ देंगे। दरअसल श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति इस बार अपना स्वर्ण जयंती महोत्सव मना रहा है। ऐसे में बताया जा रहा है कि कई दशकों के एक लंबे अंतराल के बाद श्री हनुमान जन्मोत्सव ट्रस्ट की ओर से नए रथ का निर्माण किया जा रहा है। अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि स्वर्ण जयंती महोत्सव को यादगार बनाने के लिए समिति की ओर से इस बार मुंबई के प्रख्यात बैंड को आमंत्रित किया गया है, जो शोभायात्रा में अपने जलवे विखेरेंगे। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के मशहूर कलाकार छेदीलाल एंड पार्टी की ओर से शोभायात्रा में अभूतपूर्व झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। उपाध्यक्ष दीपक मित्तल ने कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल अजितसरिया की देखरेख में रथ निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है, जो शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र होगा। वहीं शोभायात्रा में झांकियों का कार्य संयोजक राजकुमार खाखोलिया व विद्युत अलौकिक सज्जा प्रभात शर्मा की देख-रेख में चल रहा है। शोभा यात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियों के दर्शन लाभ हो पाएंगे। इनमें भगवान गणेश, शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, राम दरबार, हनुमान जी, तिरुपती बालाजी, कृष्ण-सुदामा, नरसिंह अवतार, शिव-काली, सेठ-सांवरिया आदि जीवंत झांकियों के दर्शन लाभ होंगे। सचिव विकास अग्रवाल ने बताया कि फैंसी बाजार के टीआर फुकन रोड स्थित गल्लापट्टी श्री हनुमान मंदिर में स्वर्ण जयंती महोत्सव के मौके पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 22 अप्रैल से किया जाएगा। गौतम शर्मा ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन प्रात: 6 बजे से अखंड रामायण पाठ तथा सायं 6.30 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें कोलकाता से दिनेश पारीक व बीकानेर से प्रवेश शर्मा अपने अपने भजनों के पुष्प दरबार में अर्पित करेंगे। महोत्सव को दूसरे दिन 23 अप्रैल को प्रात: 11 बजे महाआरती के पश्चात दोपहर 2 बजे से नाम कीर्तन तथा 5 बजे से विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकलेगी। वहीं सायं 6.30 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन रतनगढ़ से आमंत्रित कृष्णा नंद व प्रदीप पारुल द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। इस दौरान श्री सिंदुरी बालाजी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। रात 9.15 बजे से दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा भावविभोर नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति होगी। कोषाध्यक्ष संजय सुरेका ने कहां कि महोत्सव के लिए फैंसी बाजार तथा आसपास के इलाके अभी से ही अलौकिक विद्युत साज-सज्जा से जगमगाने लगे हैं। समिति के प्रचार मंत्री विवेक सांगानेरिया ने बताया कि दो दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

पूसीरे संचालित समर स्पेशल ट्रेनों के बढ़ेंगे 88 फेरे

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मियों के दौरान यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और यात्रा की मांग में अपेक्षित वृद्धि को प्रबंधित करने के लिए, भारतीय रेल गर्मियों के मौसम के दौरान रिकॉर्ड 9111 फेरों का संचालन कर रही है। 2023 की गर्मियों की तुलना में यह पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है, जहां कुल 6369 फेरों की पेशकश की गई थी। यह 2742 ट्रिपों की वृद्धि हुई है, जो यात्रियों की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शुक्रवार को बताया कि इस गर्मी के मौसम के दौरान, पूसीरे द्वारा यात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों के 88 फेरों का संचालन होगा। प्रमुख रेल मार्गों पर निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश भर के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। गर्मियों के मौसम में समस्त जोनल रेल द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों से यात्रियों

की भीड़ को कम करने के लिए इन अतिरिक्त फेरों को संचालित करने की तैयारी कर ली गई है। पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल तथा बिहार के कुछ हिस्सों से पूरे भारत में फैले प्रमुख गंतव्यों के लिए समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अतिरिक्त ट्रेनों की योजना बनाना और संचालित करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए किसी मार्ग विशेष पर चलने वाली रेलगाड़ियों की मांग का आकलन करने के लिए पीआरएस प्रणाली में प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के विवरण के अलावा मीडिया रिपोर्ट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, रेलवे इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन नंबर 139 जैसे सभी संचार चैनलों से 24×7 इनपुट लिए जाते हैं। इस आवश्यकता के आधार पर, ट्रेनों की संख्या और फेरों की संख्या बढ़ाई जाती है। पूरे सीजन के लिए न तो ट्रेनों की संख्या और न ही अतिरिक्त ट्रेनों द्वारा संचालित फेरों की संख्या स्थिर रहती है। गर्मियों के मौसम में जोनल रेल को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ के नियंत्रण की व्यापक व्यवस्था की गई है। भीड़भाड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए इन स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी तैनात हैं। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक स्टेशनों पर आरपीएफ कर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में कुशल आरपीएफ कर्मचारी तैनात किए गए हैं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों को भारी भीड़ अवधि के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए फुट-ओवर ब्रिजों पर तैनात किया जाता है। भारतीय रेल सभी यात्रियों को सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्री इन अतिरिक्त ट्रेनों में अपना टिकट रेलवे टिकट काउंटर या आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप के माध्यम से बुक कर सकते हैं।

ठगी बाबा ने लगाया लाखों का चूना

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम के भेंडारपट्टी में एक बाबा ने बिनोद गुप्ता नामक व्यक्ति को लाखों का चूना लगाया। मिली जानकारी के अनुसार जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत भेंडारपट्टी के बिनोद गुप्ता के घर में दो साधू पहुंचे। इस दौरान ठग बाबा ने कई चमत्कार दिखाए। और कामाख्या धाम में जाने के लिए उनसे कुछ दानस्वरूप पैसों की मांग की। जब बिनोन ने दस रूपए बाबा को दिया तो बाबा ने उने कहा कि बेटा तुम्हारे घर में जो भी रूपए हैं उसे लाओ मैं दुगुणा कर दूंगा। इस बीच बिनोद कहा कि मैं अपने बेटी के इलाज के लिए एक लाख रुपए रखा हूं, जो उन्होंने लाकर ठग बाबा को दे दिया। साथ ही एक साड़ी में रुपए को बांध कर बाबा ने कहा कि आज रात इस साड़ी को मत खोलना। इसके बाद दोनों बाबा वहां से चले गए। इसके बाद करीब एक घंटे बाद जब साड़ी को खोलकर देखा गया तो साड़ी में एक रूद्राक्ष का माला और दो आम मिले। इस घटना से घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संपादकीय

दोषपूर्ण जांच आरोपी को बरी का आधार नहीं

दिल्ली हाईं कोर्ट ने कहा कि दोषपूर्ण जांच आरोपी को बरी करने का आधार नहीं हो सकता। अगर ऐसा होता है तो लोगों का न्यायपालिका पर से विश्वास उठ जाएगा। कोर्ट ने यह कहते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सासननद को बरी करने के आदेश को निरस्त कर दिया और नए सिरे से जांच करने का आदेश दिया। उसने माना कि इस मामले में जांच अधिकारी की भूमिका संदिग्ध रही और निचली अदालत ने भी तथ्यों का सही तरीके से अध्ययन नहीं किया। न्यायमूर्ति सुब्राण्यम प्रासाद ने पुलिस से मृतका की मां सरोज भोला की एसडीएम के समक्ष दो जुलाईं 2015 को दिए बयानों के आधार पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी अन्य जांच अधिकारी से जांच करवाने को कहा है जो निरीक्षक स्तर से नीचे का न हो। उन्होंने इस तथ्य की भी जांच करने को कहा है कि क्या यह मामला आत्महत्या के उकसाने की अपेक्षा दहेज हत्या का बनता है या नहीं? न्यायमूर्ति ने कहा कि जांच एजेंसी की चूक या लापरवाही आरोपी के पक्ष में जाती है तो अदालत का दायित्व बनता है कि वह सही जांच कराए। अदालत को इस तथ्य के प्राति अपनी आंखें बंद नहीं करना चाहिए कि वही पीड़ित हैं जो अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं और न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि दोषपूर्ण व लापरवाहीपूर्ण जांच के कारण अभियुक्त बच जाता है तो अदालत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में त्रुटिपूर्ण जांच होने की संभावना होने के बावजूद निचली अदालत ने फिर से जांच के आदेश नहीं दिए। मामले में प्राथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि मृतका को ससुराल में दहेज प्राताड़ना का सामना करना पड़ा। सत्र न्यायाधीश ने अपने पैसले में माना कि जांच में गंभीर लापरवाही है। इसके बावजूद उन्होंने दहेज हत्या के अपराध पर विचार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि हर मामले में मजिस्ट्रेट को आरंभिक सुनवाईं में यह सुनिाति करना चाहिए कि जांच ठीक तरीके से हो और आरोपी बच न सके। इस मामले में तथ्यों से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने समय-समय पर संयुक्त पुलिस आयुक्त व पुलिस आयुक्त को जांच अधिकारी के खिलाफ शिकायत दी। इस तथ्य पर भी ध्यान नहीं दिया गया कि पुलिस ने एसडीएम को दोबारा कहने के 10 माह बाद मामला दर्ज किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री आंचल का 26 अप्रौल 2012 को विवाह हुआ था। ससुराल पक्ष उसे दहेज के लिए प्राताड़ित करता था और विवाह के करीब ढाईं वर्ष बाद 24 अक्तूबर 2014 को आंचल का शव पंखे से लटका मिला। पुलिस ने उनके बयान एसडीएम के समक्ष दर्ज होने के बावजूद इसे आत्महत्या का मामला बताते हुए एफआईंआर दर्ज नहीं की। दो जुलाईं 2015 को उन्होंने पुनः एसडीएम के समक्ष शिकायत की तो पुलिस ने 10 माह बाद मामला दर्ज किया। लेकिन जांच में लापरवाही से आरोपी बरी हो गए।

कोर्ट ने यह कहते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सासननद को बरी करने के आदेश को निरस्त कर दिया और नए सिरे से जांच करने का आदेश दिया। उसने माना कि इस मामले में जांच अधिकारी की भूमिका संदिग्ध रही और निचली अदालत ने भी तथ्यों का सही तरीके से अध्ययन नहीं किया। न्यायमूर्ति सुब्राण्यम प्रासाद ने पुलिस से मृतका की मां सरोज भोला की एसडीएम के समक्ष दो जुलाईं 2015 को दिए बयानों के आधार पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी अन्य जांच अधिकारी से जांच करवाने को कहा है जो निरीक्षक स्तर से नीचे का न हो। उन्होंने इस तथ्य की भी जांच करने को कहा है कि क्या यह मामला आत्महत्या के उकसाने की अपेक्षा दहेज हत्या का बनता है या नहीं? न्यायमूर्ति ने कहा कि जांच एजेंसी की चूक या लापरवाही आरोपी के पक्ष में जाती है तो अदालत का दायित्व बनता है कि वह सही जांच कराए। अदालत को इस तथ्य के प्राति अपनी आंखें बंद नहीं करना चाहिए कि वही पीड़ित हैं जो अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं और न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि दोषपूर्ण व लापरवाहीपूर्ण जांच के कारण अभियुक्त बच जाता है तो अदालत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में त्रुटिपूर्ण जांच होने की संभावना होने के बावजूद निचली अदालत ने फिर से जांच के आदेश नहीं दिए। मामले में प्राथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि मृतका को ससुराल में दहेज प्राताड़ना का सामना करना पड़ा। सत्र न्यायाधीश ने अपने पैसले में माना कि जांच में गंभीर लापरवाही है। इसके बावजूद उन्होंने दहेज हत्या के अपराध पर विचार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि हर मामले में मजिस्ट्रेट को आरंभिक सुनवाईं में यह सुनिाति करना चाहिए कि जांच ठीक तरीके से हो और आरोपी बच न सके।

भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला

विकास और विरासत का बेहतरीन संतुलन 'मोदी की गारंटी'

राघवेंद्र शर्मा

'भाजपा का संकल्प पत्र–मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि ̄जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'भाजपा का संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि ̄जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है। साथ ही यह भरोसा दिलाता है कि आम मतदाता को इस पर विश्वास करने में किसी भी प्रकार की शंका नहीं करनी चाहिए। ऐसा सोचने के लिए एक तर्क यह भी है कि अपने स्थापना काल से ही भारतीय जनता पार्टी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष करती आई है, सत्ता में आते ही उन्हें पूरा करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं दिखाया है। किसने सोचा था कि हम कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटते हुए देख पाएंगे। लेकिन भाजपा की मोदी सरकार ने यह करिश्मा तब कर दिखाया जब विरोधियों ने दावे किए थे कि ऐसा करने पर देश में भारी बवाल पैदा होगा, एक प्रकार से देश जल ही उठेगा। पूरे 500 साल हुए, जब से लाखों लोगों ने अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि को स्वतंत्र करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुगल तो हमारे दुश्मन और विदेशी लुटेरे थे। अतः उनका मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाना समझ में आता है। लेकिन आजाद भारत में हमारे देश की, हमारी अपनी धर्मनिरपेक्ष सरकारें राम जन्मभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में अड़ंगे पैदा करती रहीं। अदालत में भगवान श्रीराम को इन्हीं सरकारों से संबंधित वकीलों ने कपोल कल्पित कहने में शर्म महसूस नहीं की। अयोध्या की सड़कें कार सेवकों के खून से लाल कर दीं और सरयू का पानी रक्त रंजित कर दिया। किंतु जैसे ही भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला, वैसे ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीराम जन्मभूमि स्वतंत्र होने की घोषणा कर दी गई। आदेश

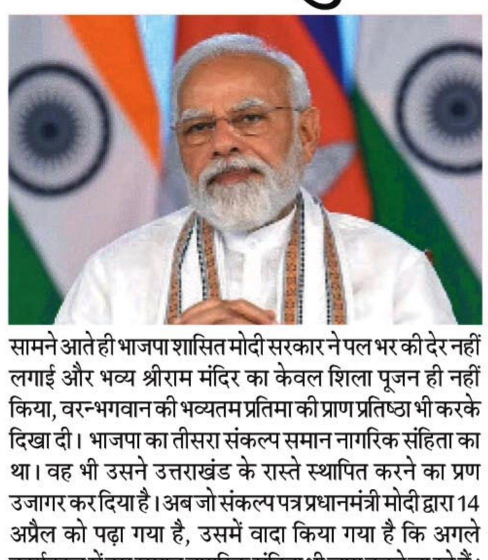

सामने आते ही भाजपा शासित मोदी सरकार ने पल भर की देर नहीं लगाई और भव्य श्रीराम मंदिर का केवल शिला पूजन ही नहीं किया, वरन्भगवान की भव्यतम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भी करके दिखा दी। भाजपा का तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का था। वह भी उसने उत्तराखंड के रास्ते स्थापित करने का प्रण उजागर कर दिया है। अब जो संकल्प पत्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 14 अप्रैल को पढ़ा गया है, उसमें वादा किया गया है कि अगले कार्यकाल में हम समान नागरिक संहिता भी लागू करने जा रहे हैं। आशय स्पष्ट है भाजपा के तीन प्रमुख संकल्प थे। इनमें से पहले कालखंड में अनुच्छेद 370 को हटाया जाना समाहित माना जाए, तो दूसरे कालखंड की सौगात अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर को माना जा सकता है। जब भाजपा शासन के दो कालखंडों में अपने दो महत्वपूर्ण और असंभव से प्रतीत होने वाले संकल्प पूरे कर चुकी है, तब मतदाता को यह भरोसा करना ही चाहिए कि अब जब जनता भाजपा को तीसरे कालखंड का जनादेश देने जा रही है तब वह अपना तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का भी पूरा करके दम लेगी। इसी के साथ यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि विरोधी लोग अपनी हार को सम्मुख देखते हुए भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह केवल मंदिरों और देवलोकों की बात करके देश को भरमा रही है। जबकि सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके द्वारा शासित विभिन्न प्रदेशों की सरकारें व केंद्र की मोदी सरकार ̄विकास और विरासत ̄ को साथ लेकर नए भारत का ताना-बाना बुन चुकी हैं। उदाहरण के लिए जहां अयोध्या के श्रीराम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, दक्षिण भारत की पवित्र सैंगोल, मध्य भारत के महाकाल लोक, पश्चिमी भारत की द्वारकापुरी और पूर्वी भारत में मां काली के विराट प्रादुर्भाव की बातें की जाती हैं तो उन्हें साकार भी किया जाता है। इसी हमारे देश की सनातन विरासत को सहेजने का क्रम माना जाना चाहिए। जहां तक विकास की बात है तो अब भारत में सुरक्षा का क्षेत्र आत्मनिर्भर हो चला है। औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर के बड़े-बड़े निर्माण मेकिंग इंडिया के तहत हमारे देश में ही हो रहे हैं। वंदेभारत के रूप में अत्याधुनिक ट्रेनों की व्यापक श्रृंखलाएं पूरे देश के यातायात को सुगम कर रही हैं। राष्ट्रीय नेशनल मार्गों की फोरलेन सिक्स लेन और अब आठ लेनों वाली श्रृंखलाएं तथा आश्चर्यचकित कर देने वाले फ्लाईओवर ब्रिज विकसित देशों को पीछे छोड़ चुके हैं। चीन और पाकिस्तान से सटे हुए सीमांत प्रदेशों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर दुश्मनों को चुनौती दे रहा है। देश के अधिकांश भागों में विद्युत आपूर्ति अब सहज सुलभ तथा अनेक प्रांतों में सरप्लस हो चुकी है। फलस्वरूप एक दशक पहले जब अत्यावश्यक कार्यों के लिए भी विद्युत उपलब्ध नहीं हो पाती थी, अब वहां लाखों इलेक्ट्रॉनिक वाहन सरप्लस बिजली से रिचार्ज होकर विदेशी ईंधन से मुक्ति पा रहे हैं। यही नहीं, अब बिजली बिल जीरो करने की कवायद का भी ऐलान हुआ है। जिसके तहत पीएम सूर्य योजना में एक करोड़ रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। 24 जून के बाद इस मामले में गति और तेज होने जा रही है, जिससे हम खुद बिजली उत्पादक बनेंगे। अपने उपयोग की बिजली इस्तेमाल करने के बाद जो बचेगी उसे सरकार को बेच भी पाएंगे। यानी आम के आम गुठलियों के दाम। कोरोना के बाद जहां अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई। वहां लोग रोटी के लिए भी मोहताज हो गए। तब भारत की भाजपा शासित मोदी सरकार ने न केवल वैक्सीनेशन का कीर्तिमान बनाया बल्कि वह दूसरे देशों को भी उपलब्ध कराई।

दृष्टि कोण

ईंवीएम पर संदेह करना, भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करना है

भारत दुनिया की बड़ी आबादी वाला एक लोकतांत्रिक देश है और पूरी दुनिया उसे एक तेजी से उभरते देश के रूप में न केवल देख रही है बल्कि अनेक मौकों पर उसकी सराहना करती रही है। ईंवीएम पर संदेह करना, भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करना है उच्चतम न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिग मशीन (ईंवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। न्यायमरूति संजीव खन्ना, न्यायमरूति दीपांकर दत्ता और न्यायमरूति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि यह अदालत पहले भी कईं याचिकाओं पर गौर कर चुकी है और ईंवीएम के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार कर चुकी है। न्यायमरूति दत्ता ने गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोव्रोटिक रिफॉम्र्स की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण द्वारा जर्मनी में चुनाव का उदाहरण दिये जाने पर कहा कि यह (भारत में चुनाव) एक बहुत बड़ा कार्यं है। कोईं भी यूरोपीय देश ऐसा करने में सक्षम नहीं हो सकता। आपने जर्मनी की बात की लेकिन वहां की आबादी कितनी है। मेरा गृह राज्य पामि बंगाल जर्मनी से कहीं अधिक आबादी वाला है। हमें चुनावी प्रव्रिया में आस्था और विश्वास बनाए रखना होगा। इस तरह तंत्र को कमजोर करने की कोशिश न करें। दरअसल ईंवीएम को लेकर तर्व वितर्व की लंबी पेहरिस्त है और अभी तक इसपर संदेह करनेवाले अपने तर्व को सही साबित नहीं कर पाये हैं। हर कोईं जानता है कि मत पत्रों से मतदान में क्या समस्याएं थीं। यह भी पता है कि मत पत्रों के इस्तेमाल से क्या गलतियां हुईं। मानवीय हस्तक्षेप के कारण समस्या पैदा होती है। न्यायालय ने भी कहा कि बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के मशीनें ठीक से काम करेंगी और सटीक परिणाम देंगी। समस्या तब पैदा होती है जब मानवीय हस्तक्षेप होता है। विपक्ष में खासकर कांग्रेस को ईंवीएम से शिकायत बनी रही है लेकिन जब वह चुनाव जीतती है तो वह ईंवीएम में गड़बड़ी की शिकायत नहीं करती है। पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबईं के ऐतिहासिक शिवाजी पार्व मैदान में आयोजित जनसभा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं ने हिस्सा लिया था। लगभग सभी ने ईंवीएम का मुद्दा उठाया और कहा था कि अगर उनकी सरकार आएगी तो वे ईंवीएम को हटा देंगे। इन विवादों से परे हटकर चुनाव आयोग लोकसभा 2024 के आम चुनाव से पहले नागरिकों को मतदान प्रव्रिया का साक्षात अनुभव कराने और ईंवीएम (मशीनों) से परिचित कराने के लिए ईंवीएम और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपेट) पर एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यंव्राम चला रहा है। लोकसभा के आम चुनाव और राज्य विधान सभा चुनाव से पहले आयोजित किया जाने वाला जागरूकता कार्यंव्राम ईंवीएम और वीवीपेट की बुनियादी विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करने, वोट डालने की व्रामिक प्रव्रिया को स्पष्ट करने और मतदाताओं को वीवीपेट पचा के माध्यम से वह अपनी पसंद वैसे सत्यापित कर सकते हैं, इस बारे में शिक्षित करने पर वेंद्रित है। ईंवीएम और वीवीपेट को सामने प्रदर्शित करने से इनकी कार्यंक्षमता की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है और यह गलतफहमियां दूर करने, मतदाताओं का विश्वास बढ़ाने और अधिक सूचित और सहभागी मतदाता सुनिाति करने में सहायक है। चुनाव आयोग ने ईंवीएम हैकिग और छेड़छाड़ के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाईं थी जिसने मईं 2019 में अपनी रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट में ईंवीएम की हैकिग या उससे छेड़छाड़ क्यों नहीं हो सकती, इसके दो तर्व दिए गए थे। पहला तर्व था कि चुनाव आयोग जिस ईंवीएम का इस्तेमाल करता है वह अपने आप में इकलौती मशीनें होती हैं। उसे न तो किसी कम्प्यूटर से नियंत्रित किया जाता है और न ही इंटरनेट या किसी नेटवर्व से जोडा जा सकता है। ऐसे में उसे हैक करना नामुमकिन है। इसके अलावा ईंवीएम में जो सॉफ्टवेयर इस्तेमाल होता है, उसे रक्षा मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय से जुड़ी सरकारी वंपनियों के इंजीनियर बनाते हैं। इस सॉफ्टवेयर के सोर्स कोड को किसी से भी साझा नहीं किया जाता है। दूसरा तर्व था कि भारत में इस्तेमाल होनेवाली ईंवीएम (मशीन) में दो यूनिट होते हैं। एक वंट्रोलिग यूनिट और दूसरी बैलेटिग यूनिट। ये दोनों अलग-अलग यूनिट होती हैं और इन्हें चुनावों के दौरान अलग- अलग ही बांटा जाता है। अगर किसी भी एक यूनिट के साथ कोईं छेड़छाड़ होती है तो मशीन काम नहीं करेगी। इसलिए कमेटी का कहना था कि ईंवीएम से छेड़छाड़ करना या हैक करने की गुंजाइश न के बराबर है। इसके अलावा हर ईंवीएम का एक अलग सीरियल नंबर होता है। चुनाव आयोग एक ट्रैकिग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करता है जिससे पता चलता है कि कौन सी मशीन कहां है, तो उससे छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। तकनीकी दृष्टि से ईंवीएम अभी तक हर कसौटी पर खरा उतरा है और उससे छेड़छाड़ का दावा करनेवाले अपने दावों को सही साबित नहीं कर पाये हैं। तेजी से बदल रही दुनियां में आगे बढ़ने और उन्नत तकनीकी के इस्तेमाल की मांग लगातार बढ़ रही है।

कुछ अलग

छात्रों की दर्दनाक मौत

हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कनीना में ड्राइवर की लापरवाही से एक निजी स्कूल की बस के पेड़ से टकराने के बाद हुई दुर्घटना में छह छात्रों की मौत हृदय विदारक है। दो भाइयों की मौत से उनके परिवार पर क्या गुजर रही होगी, अहसास करना कठिन नहीं है। इस तरह के हादसे हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरते हैं। इसे एक दुर्घटना कहने की बजाय आपराधिक लापरवाही कहना उचित होगा। जिसमें स्कूल प्रबंधन, चालक तथा प्रशासन की काहिली की बराबर की जिम्मेदारी है। एक खटारा बस को शराबी चालक द्वारा बेलगाम रफ्तार से दौड़ाना एक आपराधिक कृत्य ही कहा जाएगा। सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब ईद पर राष्ट्रीय अवकाश था तो स्कूल क्यों खोला गया था? सार्वजनिक अवकाश के दिन स्कूल खोलने पर प्रबंधकों की जवाबदेही तय की जानी चहिए। इस दुर्घटना में कई स्तर पर आपराधिक लापरवाही नजर आती है। ग्रामीणों के अनुसार कई साल पहले इस बस के फिटनेस प्रमाणपत्र की अवधि खत्म हो चुकी थी, इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए इसे सड़कों पर चलाया जा रहा था। स्कूल प्रबंधन मोटी फीस वसूलने में तो लगा रहता है लेकिन उसे ख्याल क्यों नहीं आया कि बस का फिटनेस प्रमाणपत्र छह साल पहले खत्म हो चुका है। क्यों नहीं देखा कि ऐसे वाहन से तमाम बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है? सवाल उठना लाजिमी है कि बस की हालत और चालक की आदतों को देखते हुए इन मासूमों के जीवन को खतरे में डालने की स्थिति क्यों पैदा होने दी गई? सवाल पुलिस प्रशासन पर भी है कि क्यों बेलगाम गति से चलने वाले वाहनों की निगरानी का कोई तंत्र काम नहीं कर रहा है? विडंबना है कि हर हादसे के बाद शासन-प्रशासन चुस्ती दिखाता है और कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कमोबेश इस घटना के बाद भी इसकी पुनरावृत्ति होगी। विडंबना यह है कि सरकारी स्कूलों की बदहाली से खिन्न होकर जागरूक अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यमों वाले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। अभिभावकों की इसी सोच के चलते अनेक कारोबारियों, व्यापारियों तथा राजनेताओं ने बड़े नाम व चमक-दमक वाले निजी स्कूल खोल लिये हैं। लेकिन इन स्कूलों में शैक्षिक मानकों तथा छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं में घोर लापरवाही बरती जाती है। छात्रों से फीस तो मोटी ली जाती है लेकिन उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी जाती। शिक्षकों को दिये जाने वाले वेतन को लेकर भी अकसर सवाल उठते रहते हैं। बेरोजगारी का आलम यह है कि कम वेतन व असुरक्षित सेवाओं के बावजूद शिक्षक व अन्य कर्मचारी मिल जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति ड्राइवरों की भी है। चालक को इतना वेतन नहीं मिलता है कि प्रशिक्षित व अनुभवी चालक इन बसों में तैनात किये जा सकें। जिसका नतीजा महेंद्रगढ़ के कनीना में हुआ हादसा है। जिसके चालक पर आरोप है कि वह ड्यूटी के दौरान शराब पीकर नशे में बस को बेतहाशा दौड़ा रहा था। निस्संदेह, ऐसी स्थितियां ही दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। हमेशा की तरह शासन-प्रशासन ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, परिवहन विभाग के किसी कनिष्ठ कर्मी को निलंबित किया है। कुछ दिनों मामले के गरम रहने तक नई सुरक्षा घोषणाएं होती रहेंगी। नेताओं की तरफ से संवेदनाएं व्यक्त की जाती रहेंगी। कुछ दिनों बाद फिर स्थितियां ढर्रे पर लौट आएंगी। ऐसे हादसों को टालने के लिये अभिभावकों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्हें अभिभावक-शिक्षक बैठकों में बच्चों की सुरक्षा व बसों की आवागमन स्थिति को लेकर स्कूल प्रशासन पर निरंतर दबाव बनाना चाहिए।

देश दुनीया से

पूवरेत्तर में मोदी और शाह का जादू

भाजपा की चाहत है कि वह अपने सहयोगियों के साथ पूवरेत्तर के राज्यों में इस बार क्लीन स्वीप करे। पिछले यानी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अलग–अलग लड़ने के बावजूद भाजपा और उसकी सहयोगी परटियों को 25 में से 19 सीटें जीते मिली थीं। गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने भाजपा की तरफ से पूवरेत्तर में वैंपेन की कमान संभाली हुईं है। उन्होंने बीते सोमवार को एक चुनावी सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता शांति स्थापित करना और मणिपुर में सभी समुदायों के बीच एकता सुनिाति करना है। इस बार का चुनाव मणिपुर को एकजुट करने और राज्य के विभाजन का विरोध करने के लिए है। रैली में हजारों लोगों की तालियों के बीच गृहमंत्री ने सभा में कहा, ''हम किसी भी कीमत पर मणिपुर को विभाजित नहीं होने देंगे।

पूवरेत्तर में मोदी और शाह का जादू पूवरेत्तर भारत के राज्यों में आगामी 19, 26 अप्रैल और फिर 9 मईं को लोकसभा की 25 सीटों के लिए मतदान होना है। भाजपा की चाहत है कि वह अपने सहयोगियों के साथ पूवरेत्तर के राज्यों में इस बार क्लीन स्वीप करे। पिछले यानी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अलग-अलग लड़ने के बावजूद भाजपा और उसकी सहयोगी परटियों को 25 में से 19 सीटें जीते मिली थीं। गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने भाजपा की तरफ से पूवरेत्तर में वैंपेन की कमान संभाली हुईं है। उन्होंने बीते सोमवार को एक चुनावी सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता शांति स्थापित करना और मणिपुर में सभी समुदायों के बीच एकता सुनिाति करना है। इस बार का चुनाव मणिपुर को एकजुट करने और राज्य के विभाजन का विरोध करने के लिए है। रैली में हजारों लोगों की तालियों के बीच गृहमंत्री ने सभा में कहा, ''हम किसी भी कीमत पर मणिपुर को विभाजित नहीं होने देंगे।'' पीएम मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि देश की किस्मत तब बदलेगी, जब पूवरेत्तर और मणिपुर की किस्मत बदलेगी। मोदी न केवल क्षेत्र और

देश का विकास कर रहे हैं, बल्कि मणिपुर और भारत की भी रक्षा कर रहे हैं। पूवरेत्तर भारत में लोकसभा की 25 सीटें आठ राज्यों में पैली हुईं हैं। इनमें, अकेले असम में 14 सीटें है। इसके अलावा मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा में दो-दो सीटें हैं, जबकि नगालैंड, सिक्किम और मिजोरम में एक-एक सीट है। इन 25 सीटों में से 14 पर पहले चरण में 19 अप्रैल और 11 सीटों पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। अरुणाचल प्रदेश की दो सीटों में से 2014 में भाजपा और कांग्रेस एक-एक सीट जीती थी, लेकिन 2019 में भाजपा दोनों सीटों पर कब्जा करने में सफल रही। भाजपा की कोशिश इस बार भी 2019 के परिणाम दोहराने की है। वहीं, विपक्षी दलों ने भी भाजपा के विजयरथ को रोकने के लिए साथ आने का पैसला किया है। इस बार के चुनाव में सबकी नजर नॉर्थ ईंस्ट पर हैं। असम में सीएए को लेकर लंबे समय से सियासी उथलपुथव मची हुईं है। इस बीच, एक खबरिया चैनल के मुताबिक, 14 लोकसभा सीट वाले असम में सत्तारूढ़ भाजपा 11 से 13 सीट जीत सकती है, जबकि कांग्रेस के 0 से 1 सीट जीतने की उम्मीद है। वहीं, बदरुद्दीन अजमल की एआईंयूडीएफ की भी 0 से 1 सीट जीतने की उम्मीद है. वहीं, नॉर्थ ईंस्ट के अन्य राज्यों की 11 सीट में बीजेपी 4 से 6 सीट जीत सकती है। सव्रे के अनुसार कांग्रेस को नॉर्थ ईंस्ट में 0 से 2 सीट मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 4 से 6 सीट जा सकती हैं। इस बीच, पूवरेत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री विकास पहल (पीएमडि वाइन) को केन्द्रीय बजट 2022- 23 में 100 प्रतिशत वेंद्रीय वित्त पोषण के साथ एक नईं वेंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में घोषित किया गया था और 12 अक्टूबर, 2022 को वेंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022-23 से 2025-26 तक 4 साल की अवधि (15वें वित्त आयोग की अवधि के शेष वर्ष) के लिए 6,600 करोड़ के वुल परिव्यय के साथ अनुमोदित किया था। पीएम डिवाइन योजना के लिए विस्तृत दिशानिर्देश 21 अगस्त 2023 को जारी किए गए थे। पूवरेत्तर मामलों के जानकार भी कहते हैं कि केन्द्र सरकार ने देश के पूवरेत्तर राज्यों के इंप्रास्ट्रक्चर विकास के लिए दिल खोलकर मदद की है। इस बीच, राजधानी में रहने वाले पूवरेत्तर राज्यों के नागरिक अपने घरों से हजारों मील दूर रहने पर भी अपने राज्य के चुनावी माहौल पर नजरें टिकाए हुए हैं। पेशे से सिविल इंजीनियर जेम्स मणिपुर कहते हैं, अब दिल्ली-एनसीआर अपना लगता है। हम यहां ही 25 मईं को अपना वोट देंगे। इधर हमारे साथ नस्लीय हिसा और भेदभाव की घटनाएं गुजरे दौर की बातें हो चुकी हैं। वो प्यारी सी मुस्कान बिखरते हुए बताते हैं। जेम्स की टिप्पणी से भरोसा जागता है। पर अरुणाचल प्रदेश के नौजवान निडो तानिया के साथ जो हुआ था वह भी तो भुलाया नहीं जाता। उनकी 2014 में लाजपत नगर में नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने पर हत्या कर दी गईं थी। उस भयावह घटना की गूंज दूर तक गईं थी। दिल्ली शर्मसार भी हुईं थी। टी. वांगमू नोरबू दरजिलिग से हैं। कहती हैं, दिल्ली पुलिस ने नार्थ ईंस्ट, दरजिलिग और लद्दाख के नागरिकों के मसलों को देखने के लिए एक अलग से यूनिट बनाकर ठोस पहल की थी। इसका नानकपुरा में दफ्तर है। इसमें सब अधिकारी और शेष स्टाफ नार्थ ईंस्ट से है। बेशक, दिल्ली पुलिस की नार्थ ईंस्ट यूनिट के गठन के बाद हमारी एक पुरानी मांग पूरी हुईं थी।

आप का नजरीया

बहन जी ने एकला चलो की ठानी

बसपा सुप्रीमो मायावती जो कहती हैं वो करती हैं, करके दिखाती हैं, लगातार कईं चुनावों में बेहतर परिणाम न आने के बाद भी उनके तेवर में कोईं कमी नहीं आईं है। जहां देशभर में छोटी से लेकर बड़ी पार्टियां एनडीए या इंडिया गठबंधन में जाने को आतुर हैं, वहीं बसपा सुप्रीमों ने यूपी में आम चुनाव अपने दम-खम पर लड़ने का पैसला किया है। हालांकि इस पैसले ने सबको चौंका जरूर दिया। उनको आज भी अपने वैडर पर पूरा विश्वास है कि वह उनके साथ है। यही वैडर उनका गुमान और अभिमान भी है। बसपा का नारा है - सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय। वह दबे, वुचले, शोषित, वंचितों के लिए राजनीति करती हैं। वह अपने भाषण की शुरुआत भी इनको लेकर ही करती हैं। देशभर की पार्टियों पर आरोप लगाती हैं कि चुनाव के समय दलित, शोषित और वंचित याद आते हैं। मायावती चुनाव नजदीक आते ही भाजपा, कांग्रोस, सपा व अन्य विपक्षी पार्टियों पर डॉ. भीमराव अंबेडकर, कांशीराम, संत रविदास की याद आने का ढोंग करने का भी आरोप लगाती हैं। मायावती ने इंडिया गठबंधन से दूर रहकर अपने वैडर के भरोसे चुनाव में उतरने का पैसला किया है। भतीजे आकाश के जरिए प्राचार की रणनीति अपनाईं है और सोशल मीडिया पर प्राचार को प्राथमिकता दी जा रही है। टिकटों के वितरण में मायावती ने मुस्लिम के साथ ब्राrाण, क्षत्रिय और ओबीसी को टिकट देकर वर्ष 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिग का दांव चला है। इसके जरिए वह कांग्रोस-सपा और भाजपा दोनों को चुनौती देने की कोशिश कर रही हैं। मायावती सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात वैडर के लोगों तक पहुंचा रही हैं। बसपा ने सबसे पहला गठबंधन 1993 में यूपी में सपा के साथ विधानसभा चुनाव में किया था। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं और सत्ता में आईं। लेकिन वह गठबंधन टूट गया। मायावती भाजपा संग गठबंधन कर 1995 में यूपी में पहली बार सीएम बनीं, लेकिन यह साथ भी अधिक दिनों तक नहीं चला। उन्होंने 2019 में लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन तो किया लेकिन मुफीद नतीजे न आने पर सपा को वैडर विहीन पाटा बताकर तुरन्त गठबंधन तोड़ने का ऐलान कर दिया। दलितों की पाटा बसपा को 40 साल होने जा रहे हैं। रविवार को बसपा का 40वां स्थापना दिवस है। पिछले 24 साल से बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर जिले के गांव बादलपुर में जन्मी मायावती हैं। पाटा के नए उत्तराधिकारी आकाश आनंद का जन्म भी नोएडा में ही हुआ है और वह वहीं पर पढ़े-लिखे हैं। मायावती 2001 से पाटा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। बीते 40 सालों में बसपा ने अधिक उतार- चढ़ाव देखे। इन दिनों बसपा अपने बुरे दौर से गुजर रही है। जिसके पास पूरे प्रादेश में सिर्प एक विधायक है। पाटा सुप्रीमों के गृह नगर गौतमबुद्ध नगर में ही बसपा का कोईं जनप्रातिनिधि नहीं है, जबकि दस साल पहले तक यहां पर बसपा का वर्चस्व हुआ करता था। 14 अप्रौल 1984 को कांशीराम द्वारा बसपा का गठन किया गया था। उन्होंने बसपा को स्थापित करने के लिए कड़ा संघर्ष किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमरोहा की जनसभा में कहा

इंडी गठबंधन राम और कृष्ण विरोधी

बोले, 2024 का लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य का चुनाव

अमरोहा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के अमरोहा में पार्टी की जनसभा इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने 400 पार के संकल्प को दुहराते हुए कहा कि इंडी गठबंधन के नेता राम और कृष्ण विरोधी हैं। उन्होंने युवाओं का पहले चरण के लिए हो रहे मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने खासकर युवाओं से कहा कि वह ऐसा मौका अपने हाथ से जाने न दें। युवा अवश्य वोट करें। उन्होंने अपनी और योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए समूचे विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर कहा कि यूपी के दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म शूटिंग चल रही है। इसका पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। यह लोग हमारी आस्था पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। यहां के कांग्रेस उम्मीदवार को तो भारत माता की जय बोलना भी मंजूर नहीं। जिन लोगों को भारत माता की जय बोलना पसन्द नहीं, क्या वह संसद में शोभा देंगे। रमालला की प्राण प्रतिष्ठा में भी नहीं आए। इनसे तो ठीक वे लोग हैं जिन्होंने जीवनभर बाबरी मस्जिद के लिए मुकदमा लड़ा और हार गए तो प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और सपा पर खूब हमला बोला। अमरोहा भगवान श्री कृष्ण के चरणों की दासी रही है: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमरोहा कोई साधारण जगह नहीं है। मां गंगा के तट पर स्थित यह धरती भगवान श्रीकृष्ण के चरणों की दासी रही है। यह वीरों की भूमि है। अमरोहा की ढोलक की थाप दूर-दूर तक गूंजती है। मुख्यमंत्री योगी ने जीआई टैग के माध्यम से अलग पहचान दिलाई है। आज अमरोहा की एक थाप है-कमल छाप। अमरोहा का एक ही स्वर है फिर एक बार भाजपा सरकार। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमरोहा दुनिया में डंका बजाता है। क्रिकेट की दुनिया में मोहम्मद शामी ने जो प्रदर्शन किया, उसकी दुनिया कायल है। केंद्र सरकार ने बेहतर प्रदर्शन के लिए मोहम्मद शामी को अर्जुन पुरस्कार दिया है। योगी सरकार एक कदम और आगे बढ़ गई। यहां के लोगों के लिए प्रदेश की सरकार स्टेडियम बनवा रही है। इसके लिए अमरोहावासियों को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य का चुनाव है। यह चुनाव भारत के भविष्य का निर्धारण करेगा। आज भारत बड़े विजन और बड़े लक्षय के साथ आगे बढ़ रहा है। इंडी गठबंधन सारी शक्ति गांव और गरीब को पिछड़ा बनाए रखने में लगा रही है। यह इलाका दिल्ली और एनसीआर के बहुत करीब है लेकिन एनसीआर का फायदा अमरोहा को जो मिलना चाहिए था, वह पहले नहीं मिला। योगी सरकार में मिल रहा है। अब यूपी की पहचान एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा क पहले यूपी की पहचान पिछड़ेपन के लिए होती थी। आज यूपी की पहचान एक्सप्रेस-वे के प्रदेश के रूप में हो रही है। आज यूपी में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। अमरोहा और गजरौला के लिए रेलवे स्टेशन रोड बनाया जा रहा है। वंदे भारत जैसी ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। अभी तो हमें यूपी और देश को बहुत आगे ले जाना है। हमारे देश में पहले की सरकारें सामाजिक न्याय के नाम पर एससी, एसटी और ओबीसी समाज को सिर्फ धोखा ही देती रही हैं। जो सपना ज्योतिबा फूले का था, जो सपना अंबेडकर का था, चौधरी चरण सिंह का था, सामाजिक न्याय का था। उन सपनों को पूरो करने के लिए जब से आपने मोदी को मौका दिया है, उसे पूरा करने के लिए दिन रात काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब मोदी तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर अपनी मुस्लिम बहनों को बचाता है तो यह सामाजिक न्याय में मदद करता है। जब मोदी घर-घर जल पहुंचाता है, गैस और बिजली पहुंचाता है तो महिलाओं की जिंदगी आसान होती है। सामाजिक न्याय पक्का होता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां गरीबों की एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय की कितनी भी पीढ़ियां बिजली, पानी, रहने के लिए घर के बिना ही गुजार दीं। मोदी गरीब का बेटा है। इसलिए मोदी आपको इस मुश्किल से निकालने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहा है। खुद को खपा रहा है। भाजपा सरकार ने 10 साल में जो चार करोड़ पक्के घर गरीबों के लिए बनवाएं हैं, उसके बहुत बड़े लाभार्थी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी समाज है। अब तो भाजपा अपने संकल्प पत्र में तीन करोड़ घर और बनाने की घोषणा की है। दिया *बूथ जीतो चुनाव जीतो* का लक्ष्य: प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में मौजूद लोगों से कहा कि वे घर-घर जाएं और उनसे कहें कि 10 साल में जो कुछ करने के लिए बचा होगा, उसे पूरा किया जाएगा। आप सब मोदी हो। उसी तरह से वादा करिए। हम उसे पूरा करने में जी जान लगा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बूथ जीतो चुनाव जीतो का लक्ष्य भी दिया।

नीतीश सिर्फ पलटूराम हैं, इधर से उधर करते रहते हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

किशनगंज (बिहार) (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को बिहार के किशनगंज जिला पहुंचे। यहां उन्होंने बहादुरगंज के लोहागाड़ा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान खड़गे ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस के दामों के बढ़ोतरी को लेकर सवाल खड़ा किए। साथ ही कहा कि देश की सत्ता अडानी और अंबानी के हाथों में दे दिया गया है। खड़गे ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि चाचा अब बूढ़े हो गए हैं। साथ ही कहा कि नीतीश सिर्फ पलटूराम हैं, जो इधर से उधर करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी का संदेश है नफरत फैलाओ लेकिन कांग्रेस का संदेश है कि नफरत हटाओ और मोहब्बत फैलाओ। पेपर लीक के मामले में उन्होंने कहा कि हम पेपर लीक को बंद कर देंगे। गरीब लोगों के लिए कार्य करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मां-बहनों को हर वर्ष एक लाख रुपए दिया जाएगा। किसान के लिए सही दाम और एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी हम दे रहे हैं। लोकसभा के उम्मीदवार डॉ. जावेद आजाद ने कहा कि हमें भाजपा को हटाना है। देश के संविधान को बचाना है। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खड़गे का जमकर स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, बहादुरगंज के पूर्व विधायक तौसीफ आलम, किशनगंज विधायक इजहारुल हुसैन, बहादुरगंज के राजद विधायक अंजार नईमी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष किशनगंज इमाम अली चिंटू सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भागलपुर में कितने उद्योग-धंधे लगे बताएं सीएम : अरुण यादव

भागलपुर (हिंस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में नीतीश भाजपा की सरकार 17 वर्षों से है। वहीं केंद्र में जदयू समर्थित भाजपा की विगत 10 वर्षों से सरकार है। इसलिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नवगछिया रंगरा के विनोबा भावे विद्यालय मैदान में आयोजित चुनावी सभा में बताना चाहिए कि उन्होंने 17 वर्षों में भागलपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल कितने उद्योग-धंधे, कल कारखाने, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, आईटी पार्क, इंडस्ट्री स्पेसिफिक क्लस्टर स्थापित करवाए? श्री यादव ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार ने 39 सांसद एनडीए को दिया। भागलपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता ने एनडीए उम्मीदवार को जिताया लेकिन भागलपुर को क्या मिला? एनडीए कुछ भी कर ले लेकिन इस बार दाल गलने वाला नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार के जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। महंगाई, बेरोजगारी से जनता त्राहिमाम है। यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा जारी परिवर्तन पत्र में 24 जन वचन पूरे होंगे। बिहार में 17 साल बनाम 17 महीनों की तर्ज पर इंडिया गठबंधन सरकार एक करोड़ नौकरियां देंगे। श्री यादव ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो भी वायदे किए थे एक भी वायदे पूरा नही किया। सभी वायदे जुमला साबित हुआ। इस बार के लोकसभा चुनाव में मुद्दा बनाम मोदी की लड़ाई

राजस्थान की 12 सीटों पर दोपहर 3 बजे तक 41.51 फीसदी मतदान

जयपुर (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राजस्थान की 12 सीटों पर मतदान चल रहा है। दोपहर तीन बजे तक इन 12 सीटों पर 41.51 फीसदी मतदान हुआ है। नागौर के कुचेरा में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और इंडी गठबंधन (आरएलपी) के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के समर्थक भिड़ गए। कुचेरा नगर पालिका के अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा के सिर में चोट लगी है। चूरू में सादुलपुर के गांव रामपुर रेणु गांव में फर्जी मतदान की शिकायत पर दो लोगों ने पोलिंग एजेंट का सिर फोड़ दिया। दोपहर तीन बजे तक श्रीगंगानगर में 50.14, बीकानेर में 40.80, चूरू में 46.40, झुंझुनूं में 36.12, सीकर में 39.25, जयपुर ग्रामीण में 39.90, जयपुर में 49.48, अलवर में 43.39, भरतपुर में 37.28, करौली धौलपुर में 33.86, दौसा में 38.36 और नागौर में 41.56 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बीच नागौर के कुचेरा कस्बे में भाजपा और आरएलपी प्रत्याशी के समर्थकों में झड़प हो गई। झड़प में कुचेरा नगरपालिका अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा के सिर पर चोट आई है। बताया जा रहा है कि आरएलपी और भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों के बीच हुई झड़प में तेजपाल मिर्धा बीच-बचाव करने पहुंचे थे। इसी दौरान तेजपाल मिर्धा का सिर फूट गया। उदयपुरवाटी क्षेत्र की ग्राम पंचायत टोड़ी के बूथ संख्या 89 पर भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी का एक सुरक्षाकर्मी को धमकाने का वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि भाजपा प्रत्याशी चौधरी के साथ दोपहर करीब दो बजे कुछ लोग बूथ के अंदर जाने लगे तो सुरक्षा कर्मी ने उनसे आईडी प्रूफ मांगा था। आईडी प्रूफ मांगने पर प्रत्याशी चौधरी ने सुरक्षाकर्मी को धमकी लगाते हुए कहा तुम्हें आईडी प्रूफ मांगने या देखने का कोई अधिकार नहीं है। वहां मौजूद कुछ लोग सुरक्षाकर्मी के फेवर में आ गए और बाहर नारेबाजी करने लगे। देखते ही देखते काफी संख्या में सुरक्षाकर्मी और ग्रामीण एकत्र होने लगे। माहौल बिगड़ता देख भाजपा प्रत्याशी चौधरी वहां से अपने समर्थकों के साथ रवाना हो गए। फर्जी मतदान रोकने की बात को लेकर चूरू में सादुलपुर के गांव रामपुर रेणु के बूथ संख्या 36 पर पोलिंग एजेंट अनूप (47) के सिर पर टेबल से हमला कर दिया। जिससे अनूप के सिर पर चोट आई। उसने बताया कि नरपत सिंह और नाहर सिंह ने उसके साथ फर्जी मतदान की बात को लेकर मारपीट की है। पीड़ित ने भालेरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। घायल पोलिंग एजेंट अनूप को डीबी अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। दूसरी तरफ, सीकर, जयपुर, नागौर में शादी के बाद कई दुल्हनें वोट डालने मतदान केंद्र पर पहुंचीं। झुंझुनूं में एक अफसर ने वोटिंग के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए 21 किलोमीटर की दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के जगतपुरा में वोट डाला, वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर में मतदान किया। भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों ने भी सुबह ही अपने-अपने वोट डाल दिए।

भीषण आगजनी में आधा दर्जन घर जलकर राख

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के महुडर पंचायत के महुलियाटां गांव के रेहड़ी टोला में शुक्रवार को अचानक आग लग जाने से आधा दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए, जिसमें लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। सभी घर अनुसूचित परिवार के बताए जाते हैं। ग्रामीणों के काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना के बाद पहुंची अग्निशमन की टीम ने भी आग बुझाई। जानकारी के अनुसार बिजली की शार्ट सर्किट से अचानक आग लग जाने से महुलियाटां गांव के रेहड़ी टोला निवासी कीरत रविदास, गोगल रविदास आदि परिवार के घर में आग लग गया।

पति-पत्नी के शासन में बिहार था बदहाल, हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए किया काम : मुख्यमंत्री

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के रंगरा प्रखंड के तिनटंगा में भागलपुर से जदयू उम्मीदवार अजय मंडल के प्रचार के लिए शुक्रवार को आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है। कुछ लोग पत्नी , बेटा और बेटी को आगे बढ़ा रहें हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोग गड़बड़ कर रहे थे इसलिए उन लोगों को हटा दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व 15 वर्ष तक पति-पत्नी ने मिलकर बिहार में राज किया था। उन लोगों के कार्यकाल में शाम होते ही लोग घर में कैद हो जाते थे। उस समय कहीं रोड नहीं था। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले शिक्षा के क्षेत्र में हमने काम किया। छात्राओं को पोशाक तथा स्कूल जाने के लिए साइकिल दिया गया। उसके बाद सड़कों का निर्माण किया। महिलाओं को स्नातक पास करने पर सरकार की ओर से 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। सीएम ने कहा कि पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। शिक्षक और पुलिस की नौकरी में भी आरक्षण दिया गया। स्वयं सहायता समूह को आगे बढ़ाने के लिए विश्व बैंक से कर्ज लिया। इसको विस्तार करके इसका नाम जीविका किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब शहरी क्षेत्र में भी इसे लागू किया जाएगा। इससे महिलाओं का जीवन स्तर काफी ऊपर हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रति माह 11 हजार लोगों का इलाज किया जाता है। मुख्यमंत्री ने भागलपुर में 1989 में हुए दंगा की चर्चा करते हुए कहा कि दंगे में अल्पसंख्यकों की क्या हालत हुई थी। दंगा की जांच करवाकर दोषियों को सजा दिलवाई गई।

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जनता को कराएं अवगत

मीरजापुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के बरौधा कचार स्थित सभागार में लोकसभा चुनाव की दृष्टिगत नुक्कड़ सभा कार्यशाला भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा कहा कि सभी पदाधिकारियों को अपने कार्यक्रमों की जानकारी पूरी तरह होनी चाहिए। प्रत्येक शक्ति केंद्रों के नुक्कड़ सभा पर जो भी मुख्य वक्ता लगाए गए हैं, उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पूर्ण रूप से होनी चाहिए। प्रदेश, क्षेत्र, जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं और जो भी बड़े कार्य हुए हैं, के बारे में जनता को बताना है। लोकसभा प्रभारी रविन्द्रनाथ पाठक ने कहा कि चुनाव का समय करीब है, सभी कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर

जनता से मिलें तथा अपनी बातों को उनके समक्ष रखे। कार्यशाला का संचालन व संयोजक जिलामंत्री कौशल श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मनिराम कोल, लोकसभा संयोजक दिनेश वर्मा, लोकसभा विस्तारक भानुप्रताप चतुर्वेदी, पूर्व विधायक सुचिस्मिता मौर्या, जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे समेत सभी मंडल अध्यक्ष एवं नुक्कड़ सभा के विधानसभा संयोजक, सह संयोजक व मंडल संयोजक मौजूद थे।

योगी आदित्यनाथ की सरकार में सात साल में कोई दंगे नहीं हुए : ओ पी राजभर

जालौन (हिंस)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर शुक्रवार को जालौन के उरई नगर पहुंचे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि एनडीए गठबंधन इस बार 400 सीट जीतने जा रही है, क्योंकि एनडीए के घटक दल जनता के बीच रहकर उनकी समस्या को समझते हैं, जबकि इंडी गठबंधन से जुड़ी पार्टियां जमीन पर जनता के बीच नहीं जाती है, इसीलिए इस बार फिर से केंद्र में एनडीए के नेतृत्व में मोदी सरकार बनने जा रही है। ओम प्रकाश राजभर शुक्रवार को जालौन के उरई में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कालूराम प्रजापति के आवास पर उनकी मां के निधन

पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि 6 महीने में सपा, बसपा और कांग्रेस जनता के बीच से दूर है, यह लोग कोई कार्यक्रम जनता के बीच में नहीं चलाते हैं जबकि एनडीए गठबंधन के सभी घटक दल जनता के बीच जा रही है और उनकी समस्या को देख रही है। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा, बसपा ने कांग्रेस के साथ मिलकर केंद्र व प्रदेश में मिली-जुली सरकारें चलाई गई, मगर कभी महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया, अगर एनडीए सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में महिला आरक्षण पास करा दिया और अब वह जल्द ही लागू हो जाएगा।

शाम 5 बजे तक जिला उधमपुर में 67.12 प्रतिशत हुआ मतदान

उधमपुर (हिंस)। उधमपुर संसदीय सीट के लिए जारी मतदान में 5 बजे तक जिला उधमपुर के संसदीय क्षेत्र में ओवरऑल 67.12 प्रतिशत मतदान हो चुका है। जबकि मतदान समाप्त होने में एक घंटा शेष बचा था। जानकारी अनुसार उधमपुर वेस्ट में 5 बजे तक 67.33 प्रतिशत मतदान हो चुका था, जिसमें 39, 251 पुरुष व 38, 123 महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। उधमपुर वेस्ट में कुल मतदाताओं की संख्या 1, 14, 915 है, जिनमें से 77, 374 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। वहीं उधमपुर पूर्व में 5 बजे तक 69.96 प्रतिशत मतदान हो चुका था। इस विधानसभा क्षेत्र में 5 बजे तक 34, 345 पुरुष व 35, 636 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जबकि इस विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1, 00, 027 है, जिनमें से 69, 981मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। वहीं एक बजे तक चिनैनी विधानसभा क्षेत्र में 66.33 प्रतिशत मतदान हो चुका था। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 1, 08, 246 मतदाताओं में से 71, 802 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे जबकि रामनगर (एससी) विधानसभा क्षेत्र में 64.79 प्रतिशत मतदान हो चुका था। इस विधानसभा क्षेत्र में 96, 666 मतदाताओं में से 62, 627 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। 5 बजे तक उधमपुर-कठुआ-डोडा संसदीय सीट पर 65.08 प्रतिशत मतदान हो चुका था।

हमने जो वचन पत्र जारी किया है, उसके हर काम पूरे करेंगे : गहलोत

सिरोही (हिंस)। जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बेटे वैभव गहलोत के समर्थन में आबूरोड के तरतोली रोड पर सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले 20 साल से क्षेत्र में भाजपा का सांसद है, पर क्षेत्र में विकास अभी भी नहीं हुआ है। वैभव साधारण कार्यकर्ता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पूर्व में प्रदेश के हित में कई कार्य किए। भाजपा झूठ बोलकर प्रदेश में सत्ता में आई। हमारी योजनाओं की तारीफ देशभर में हुई, जिसमें चिरंजीवी योजना, महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल खोलना, कोरोना काल में हमारी सरकार का काम मॉडल बना। किसी को उस दौरान भूखा

नहीं सोने दिया। भाजपा वाले गोभक्त बनते हैं, लेकिन असली गोभक्त तो हम हैं। हमने गाय माता के लिए अलग से विभाग बना दिया और उसका मंत्री भी बनाया। हमने जो वचन पत्र जारी किया है, उसके हर काम पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि देश में जो मौजूदा हालात हैं और जिस तरह ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई के जरिए शासन हो रहा है, उससे लोग डरे हुए हैं। लोगों को डरा-धमका कर इलेक्टोरल बांड के जरिए बेशुमार धनराशि इकट्ठा कर ली गई। दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल दिया गया। ऐसे हालात में लोगों का चिंतित होना और डरना लाजिमी है। डराने की भी हद होती है। चुनाव के ऐन वक्त पर ही कांग्रेस के तो बैंक अकाउंट ही बंद कर दिए गए। केंद्र में भाजपा सरकार की इन कारगुजारियों से कई देश हैरान हैं। अमरीका, जर्मनी आदि ने तो कह भी दिया है कि आखिरकार भारत में यह हो क्या रहा है। जाहिर है कि माहौल अच्छा नहीं है। उन्होंने सिरोही जिले के आदर्श बैंक घोटाले और जोधपुर के संजीवनी घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि यह क्या है?

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No.46PSC/DR-19/1/2023-24

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Insurance Medical Officer (IMO) ESI Scheme, Assam Under Labour Welfare Department (Advt. No.21/2023, dated 7th July/2023)** as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22. The detailed programme for the Interview/Viva-Voce is given below:

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	Insurance Medical Officer (IMO) ESI Scheme, Assam under Labour Welfare Department	29th & 30th April, 2024	9.00 AM

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original alongwith self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview:**

i. H.S.L.C Admit/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iv. M.B.B.S mark sheets/Grade sheets(all semester/year).
v. Valid Registration certificate under Assam Medical Council, 1960.
vi. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/ Voter ID.
vii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID as domicile proof.**
viii. Caste/PwBD certificate/BPL Card (if applicable).
ix. Declaration Form A *(“May be downloaded from APSC’s website”)*
x. Any other documents that may be relevant for their candidature.
xii. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. **List of Provisionally accepted candidates and intimation letters shall be uploaded on 22-04-2024 and 23-04-2024 respectively in the Commission’s official website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/313/ 24/20-Apr-24

क्या उड़ान के दौरान परोसे गए उपमा व पोहा में सोडियम की मात्रा अधिक है आरोपों पर एयरलाइन का आया जवाब

नई दिल्ली ।
एक सोशल मीडिया यूजर ने दावा किया है कि उड़ान के दौरान इंडिगो की ओर से परोसे जाने वाले उपमा और पोहा में सोडियम की मात्रा मैगी से भी अधिक है। हालांकि एयरलाइन ने इसका जवाब देते हुए कहा कि उसके पहले से पैक उत्पादों में नमक की मात्रा निर्धारित मानदंडों के भीतर ही है।

सोशल मीडिया पर रेवंत हिमतसिंगका फूड फार्मर नाम के यूजर ने कहा कि इंडिगो की ओर से परोसे जाने वाले भोजन के बारे में एक चौंकाने वाला वीडियो है। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, हम में से अधिकांश पहले से ही जानते हैं कि मैगी एक अधिक सोडियम वाला भोजन है! पर हममें से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि इंडिगो के मैजिक उपमा में मैगी की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक सोडियम है, इंडिगो के पोहा में मैगी की तुलना में 83 प्रतिशत अधिक सोडियम है और दाल चावल में मैगी जितना सोडियम है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए कि उपमा, पोहा और दाल चावल स्वास्थ्य के लिए ठीक लगते हैं, पर इसका मतलब यह नहीं है कि वे वाकई सेहत के लिए ठीक हैं। इन आरोपों के बाद इंडिगो ने एक बयान में कहा कि कुछ पहले से पैक उत्पादों को पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के अनुसार तैयार किया गया है और इसमें नमक की मात्रा तय मानदंडों के अनुरूप है। इंडिगो केवल प्रतिष्ठित विक्रेताओं के माध्यम से तैयार ताजा और पहले से पैक भोजन परोसता है। इंडिगो के विमानों में परोसे जाने वाले सभी भोजन पर एफएसएसएआई मानदंडों के अनुसार सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी भी मौजूद होती है। इंडिगो ने कहा कि वह सेवाओं में सुधार के लिए सभी फीडबैक का स्वागत करती है। बयान में कहा गया है कि पैकेज पर मुद्रित जानकारी यात्रियों को पोषक तत्वों का अनुमान लगाने और उनके विवेक के अनुसार उपभोग करने के लिए एक सलाह के रूप में कार्य करती है। जनवरी में खाद्य सुरक्षा निगरानी संस्था एफएसएसएआई ने एक विमान में परोसे गए सैंडविच में कीड़ा पाए जाने के बाद एक यात्री को असुरक्षित भोजन परोसने के मामले में इंडगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उधर, इंडिगो ने घटना के लिए खेद जताया था और कहा था कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए उसने पहले ही कदम उठाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईपीएफओ ने पैसे निकालने के नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करोड़ों पीएफ विड्रॉल के नियमों में नया बदलाव किया है। इससे इलाज के लिए पीएफ से पैसे निकालना आसान हो गया है। ईपीएफओ का यह बदलाव पैराग्राफ 68जे के तहत ऑटो क्लेम प्रोसेसिंग (ऑटो विड्रॉल) की लिमिट को लेकर है। ईपीएफओ ने इस संबंध में 16 अप्रैल को एक सर्कुलर जारी कर बताया कि पहले जहां पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से पैसे निकालने की लिमिट 50 हजार रुपए थी, उसे अब बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया गया है। यानी अब अगर कोई ईपीएफओ सब्सक्राइबर अपने पीएफ अकाउंट से मेडिकल जरूरतों के लिए 1 लाख रुपए तक की निकासी के लिए आवेदन देता है तो उसकी प्रोसेसिंग ऑटो मोड में हो जाएगी। पहले ऑटो प्रोसेसिंग की सुविधा सिर्फ 50 हजार रुपए तक के क्लेम के लिए थी यानी अब ईपीएफओ के सब्सक्राइबर मेडिकल जरूरतों के लिए आसानी से ज्यादा पैसों की निकासी कर सकते हैं। ईपीएफओ प्राइवेट सेक्टर के करोड़ों कर्मचारियों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड को मैनेज करता है, जिनमें ईपीएफ और ईपीएस आदि शामिल हैं। पीएफ में कंट्रीब्यूट करने वाले सभी सब्सक्राइबर को कुछ जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की सुविधा मिलती है, जैसे कोई कर्मचारी अगर अचानक से बेरोजगार हो जाता है यानी उसकी नौकरी चली जाती है, ऐसे में फॉर्म-19 के तहत आवेदन कर पीएफ से पैसे निकाले जा सकते हैं। कर्मचारियों को नौकरी जाने के अलावा मकान खरीदने, मकान बनाने, मकान की मरम्मत कराने, शादी-विवाह, बच्चों की पढ़ाई आदि जैसी जरूरतों के लिए भी पीएफ से पैसे निकालने की सुविधा मिलती है। एक ऐसी ही जरूरत खुद के या डिपेंडेंट के इलाज भी है। इसके लिए पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से एडवांस विड्रॉल किया जा सकता है। इसमें अगर सब्सक्राइबर या डिपेंडेंट एक महीने से ज्यादा अस्पताल में भर्ती रहते हों या टीबी, लेप्रोसी, पैरालिसिस, कैंसर, मेंटल इलनेस, हर्ट की कोई बीमारी आदि से पीड़ित हों तो 68जे के तहत क्लेम किया जा सकता है।

एवरेस्ट फिश करी मसाले पर उठे सवाल, सिंगापुर ने बाजार से उत्पाद वापस मंगाए

नई दिल्ली । सिंगापुर ने भारत से आयातित लोकप्रिय उत्पाद एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस बाजार से वापसे लेने (रिकॉल) करने का एलान किया है। मसाले में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की अधिक मात्रा का आरोप लगाते हुए इसे वापस लिया गया है। यह कदम हांगकांग में खाद्य सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी एक अधिसूचना बाद उठाया गया है। जिसमें मसाले में एथिलीन ऑक्साइड अधिक मात्रा के बारे में बताया गया था। सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने एक बयान में कहा, हांगकांग स्थित खाद्य सुरक्षा केंद्र ने एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी के कारण भारत से आयातित एवरेस्ट फिश करी मसाला वापस मंगाने से जुड़ी एक अधिसूचना जारी की है। एसएफए ने आयातक एसपी मुथैया एंड संस पीटीई को निर्देश दिया है कि वह उत्पादों को व्यापक रूप से वापस मंगाने की पहल करे। एथिलीन ऑक्साइड, आमतौर पर कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है, यह खाद्य उत्पादों में उपयोग के लिए सख्त रूप से वर्जित है।

सोना 73 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में सोने के वायदा भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 35 रुपये की तेजी के साथ 72,718 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 47 रुपये की तेजी के साथ 72,730 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 522 रुपये की तेजी के साथ 83,795 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 78 रुपये की तेजी के साथ 83,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,394 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

दुनिया का भविष्य बिग टेक से नहीं बल्कि भारत के डीपीआई से संचालित होगा, जी-20 शेरपा अमिताभ कांत का दावा

नई दिल्ली ।
दुनिया का भविष्य बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से नहीं बल्कि स्थानीय स्तर पर विकसित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी संरचना प्लेटफॉर्म्स से संचालित होगा। यह दावा जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने किया। वी मेड इन इंडिया कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत अपनी डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को दुनिया के बाकी हिस्सों में पहुंचाएगा और कई देश इसके लिए पहले से ही तैयारी कर रहे हैं।

डीपीआई के अंतर्गत आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान, यूपीआई के जरिए वास्तविक समय पर भुगतान और खाता एग्रीगेटर जैसी अन्य सेवाएं शामिल हैं। पिछले साल त्न-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान भारत ने इस बारे में क्षमता का दुनिया के सामने प्रदर्शन किया था। कांत ने कहा कि भारत ने अपनी रणनीतियों के माध्यम से जो प्रगति की है, उसे देखते हुए जी-20 के दौरान दुनिया ने डीपीआई की परिभाषा और ढांचे को स्वीकार किया था।

उन्होंने कहा, जी-20 के दौरान, दुनिया ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रा की परिभाषा को स्वीकार किया, दुनिया ने डीपीआई के ढांचे को स्वीकार किया और हमारे आकलन के अनुसार, भविष्य बड़ी तकनीक द्वारा संचालित नहीं होगा, यह डीपीआई द्वारा संचालित होगा। बिग टेक आम तौर पर एप्पल, गूगल की पैतृक कंपनी अल्फाबेट, अमेजन और मेटा जैसी दिग्गज टेक कंपनियों को कहा जाता है।

भारत का डीपीआई उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करेगाः कांत

कांत ने कहा कि भारत का डीपीआई पूरी दुनिया में स्थानांतरित होगा और यह देश के उद्यमियों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा करेगा, जिसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, डीपीआई बाकी दुनिया का पर्याय बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यह 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में बड़ा योगदान देगा। दूसरी ओर, पूर्व नौकरशाह ने बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों से देश के स्टार्टअप आंदोलन में निवेश करने का आग्रह किया, उन्होंने इस दौरान बताया कि सिलिकॉन वैली इकोसिस्टम, जो बड़ी टेक कंपनियों का घर है, ऐसे ही धैर्यवान निवेशकों द्वारा उठाए गए दांव से बना है।

भारत के स्टार्टअप मूवमेंट में निवेश से बढ़ेगा भारतः जी 20 शेरपा

कांत ने कहा कि वर्तमान में घरेलू स्टार्टअप के लिए तीन-चौथाई से अधिक फंडिंग अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से आ रही है, जबकि इसके केवल एक चौथाई घरेलू स्रोतों से आता है, इनमें बहुत अधिक नेट वर्थ वाले लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमें भारतीय बीमा कंपनियों की जरूरत है, हमें भारतीय पेंशन फंड की जरूरत है, हमें भारतीय एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स) की जरूरत है, ताकि वे जोखिम उठा सकें और भारत के स्टार्टअप मूवमेंट में निवेश किया जा सके और इसी तरह भारत आगे बढ़ेगा। कांत ने भारत में डीप टेक सेक्टर के लिए फंड ऑफ फंड्स की आवश्यकता पर भी बात की, जो वेंचर कैपिटल फंड्स को भविष्य में बहुत प्रासंगिकता के साथ इस क्षेत्र में लगे स्टार्टअप में दांव लगाने में मदद करेगा।

स्टार्टअप्स कॉरपोरेट प्रशासन और एक मजबूत कार्य संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करें

स्टार्टअप जगत में बायजू जैसे झटकों पर बोलते हुए कांत ने कहा कि स्टार्टअप्स को भी कॉरपोरेट प्रशासन और एक मजबूत कार्य संस्कृति के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे बढ़ने के लिए स्व-नियमन सबसे अच्छा समाधान बताया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार स्टार्टअप्स को विनियमित करने लगेगी तो यह उनके नवाचार को मार देगी। उन्होंने कहा कि इनोवेशन हमेशा सरकार से आगे रहता है। टैक्स, रेगुलेटरी सिस्टम जैसी सरकारी मशीनरी हमेशा इनोवेशन के पीछे रहेगी। वे कभी भी नवाचार के मामले में आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए अगर सरकार स्टार्टअप्स के नियमन में शामिल होने लगी तो हम इनोवेशन को खत्म कर देंगे।

ऐसे समय जब भारत अपनी वृद्धि को गति देने के लिए सेवा क्षेत्र पर ध्यान देने की मांग कर रहा है, कांत ने विनिर्माण पर भी ध्यान देने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का सबसे उल्लेखनीय काम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है।

शिशु उत्पादों की गुणवत्ता पर केंद्र सख्त, अधिक चीनी मिलाने की रिपोर्ट के बाद सीसीपीए ने उठाया यह कदम

नई दिल्ली ।
उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से स्विट्जरलैंड के एक गैर सरकारी संगठन पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के उस दावे की जांच करने को कहा है जिसके अनुसार नेस्ले भारत जैसे कम विकसित देशों में अधिक चीनी वाले उत्पाद बेच रही है।

उपभोक्ता मामलों की सचिव और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की प्रमुख निधि खरे ने कहा, हमने नेस्ले के शिशु उत्पादों पर आई रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के लिए एफएसएसएआई को पत्र लिखा है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने भी रिपोर्ट का संज्ञान लिया है और एफएसएसएआई को नोटिस जारी किया है।

स्विस एनजीओ, पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) की जांच के निष्कर्षों के अनुसार, नेस्ले यूरोप के बाजारों की तुलना में भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों में अपने शिशू उत्पादों को चीनी की अधिक मात्रा के साथ बेचता है।

इस मामले में गुरुवार को नेस्ले इंडिया ने कहा था कि उसने कभी अपने उत्पादों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया है और उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु खाद्य उत्पादों में चीनी की मात्रा में 30 प्रतिशत से अधिक की कमी की है। नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, अतिरिक्त चीनी की मात्र में कमी नेस्ले इंडिया की प्राथमिकता है। पिछले 5 वर्षों में, हमने पहले ही वैरिएंट के आधार पर अपने उत्पादों में अतिरिक्त चीनी की मात्र को 30 प्रतिशत तक कम कर दिया है।

नेस्ले के प्रवक्ता ने कहा, हम इससे कभी समझौता नहीं करेंगे। हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि भारत में निर्मित हमारे उत्पाद अतिरिक्त चीनी सहित सभी पोषक तत्वों की जरूरत से जुड़ी कोडेक्स मानकों (डब्ल्यूएचओ और एफएओ द्वारा स्थापित एक आयोग) और स्थानीय नियमों (आवश्यकतानुसार) का पूर्ण और सख्त अनुपालन करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, नेस्ले का गेहूं आधारित उत्पाद सेरेलक छह महीने के बच्चों के लिए ब्रिटेन और जर्मनी में बिना चीनी के बेचा जाता है, लेकिन भारत से मिले 15 सेरेलक उत्पादों में औसतन प्रति सर्विंग 2.7 ग्राम अतिरिक्त चीनी होती है।

चौथी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ हुआ, आंकड़े जारी

नई दिल्ली ।
सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का एकीकृत लाभ मार्च 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 6,128 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

समीक्षाधीन तिमाही में इंफोसिस की कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 1.3 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 37,441 करोड़ रुपये थी। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 के दौरान राजस्व में कॉन्स्टैंट करेंसी की स्थिति में 1 से 3 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी का शुद्ध लाभ 8.9 प्रतिशत बढ़कर 26,233 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 24,095 करोड़ रुपये था।

परिचालन से कंपनी का वार्षिक आय वित्त वर्ष 2024 में 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,53,670 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 1,46,767 करोड़ रुपये थी।

इन्फोसिस बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 20 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश और इसके अलावा 8 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के विशेष लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि वह 45 करोड़ यूरो के निवेश के साथ नकद सौदे के जरिए जर्मन फर्म इन-टेक में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

हालांकि, नतीजों के बाद इंफोसिस एडीआर के शेयर न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज पर आठ प्रतिशत तक की गिरावट दिखी। माना जा रहा है कि निवेशक वित्तीय वर्ष 2025 के कंपनी के राजस्व अनुमानों से उत्साहित नहीं है।

चीन, यूएई, रूस और सिंगापुर में भारत का निर्यात बढ़ा, हमसे आयात करने वाले टॉप 10 देश कौन

नई दिल्ली ।
चीन, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर उन देशों की सूची में शामिल हैं जहां हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में भारत का निर्यात काफी बढ़ा है। भारत के निर्यात के लिहाज से शीर्ष 10 देशों में की सूची में अन्य नाम ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बीते सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कुल निर्यात, माल और सेवाएं संयुक्त रूप से 776.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर काफी हद तक स्थिर है।

इस दौरान वस्तुओं का निर्यात 3.1 प्रतिशत घटकर 437.06 अरब

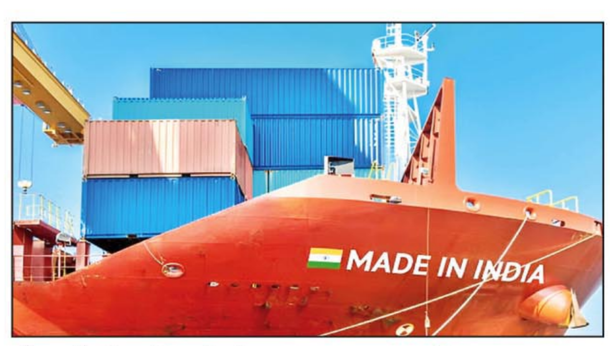

डॉलर और सेवाओं का निर्यात 4.4 प्रतिशत बढ़कर 339.62 अरब डॉलर रहा। मार्च 2024 में निर्यात की बात करें तो व्यापारिक निर्यात 0.7 प्रतिशत घटकर 41.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर और सेवा निर्यात 6.3 प्रतिशत घटकर 28.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। भारत का कुल निर्यात 2022-23 में 775.87 अरब अमेरिकी डॉलर का था। उस दौरान निर्यात में वार्षिक आधार पर लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि आई थी।

आयात की बात करें तो 2023-24 में भारत का कुल आयात 4.8 प्रतिशत घटकर 854.80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। मार्च 2024 में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 2.46 प्रतिशत की गिरावट आई। सरकार ने बीते वर्षों में निर्यात को बढ़ावा देने और आयात में कमी लाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

इन कदमों में इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करना शामिल था। ये कदम इस लिए भी उठाया गया ताकि भारतीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके, निवेश आकर्षित किया जा सके, निर्यात बढ़ाया जा सके, भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत किया जा सके और आयात पर निर्भरता कम की जा सके।

ड्रैगन को भविष्य के लिए अपनी रणनीतियां बदलनी होंगी, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दी यह सलाह

नई दिल्ली ।
चीन को पिछले कुछ दशकों में अपने निर्यात आधारित विकास की नीतियों से लाभ जरूर हुआ पर अब वह समय आ गया है जब उसे वृद्धि के लिए घरेलू स्रोतों का रुख करना चाहिए। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि चीन को अपने बाजार के लिए और अधिक अवसर खोलना चाहिए।

चीन की अर्थव्यवस्था इस वर्ष की पहली तिमाही में 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे नए साल की उम्मीद से अधिक मजबूत शुरुआत हुई, हालांकि चीन के संपत्ति बाजार में गिरावट जारी रही जबकि घरेलू मांग भी कम रही। मंगलवार को जारी राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से को पता चलता है कि 2024 के पहले तीन महीनों में चीन की जीडीपी सालाना 5.3 प्रतिशत बढ़कर 29.63 ट्रिलियन युआन (लगभग 4.17 ट्रिलियन डॉलर) हो गई।

आईएमएफ एमडी ने कहा- चीन को अब विकास के लिए घरेलू स्रोतों की ओर देखना चाहिए जॉर्जीवा ने कहा, चीन की राह में कांटे हैं। क्यों क्योंकि चीन को भविष्य के लिए विकास की रणनीतियों को परिभाषित करना होगा। चीन को पिछले दशकों में अपनी खास नीतियों, जिनमें निर्यात-उन्मुख विकास शामिल है, का लाभ मिला है। लेकिन अब विकास के लिए घरेलू स्रोतों की ओर देखने का समय आ गया है। उन्हें अपने बाजार के लिए संभावनाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से और अधिक अवसर खोलने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आईएमएफ को चीन के लिए तीन महत्वपूर्ण अवसर नजर आ रहे हैं। पहला, अर्थव्यवस्था को घरेलू खपत की ओर और अधिक परिवर्तित करना। यह वास्तव में चीन की दोहरी परिसंचरण अर्थव्यवस्था के अनुरूप है। यह उपभोक्ताओं को अधिक आत्मविश्वास देने और उन्हें अधिक सेवाएं व वस्तुए खरीदने के लिए प्रेरित करेगा।

चीन में स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हो सकता हैः जॉर्जीवा

उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि चीन में स्वास्थ्य सेवाओं में काफी विस्तार हो सकता है। हम जानते हैं कि सामाजिक सुरक्षा जाल को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए लोगों को थोड़ा कम बचत करने, थोड़ा अधिक खर्च करने का मौका मिलेगा। आईएमएफ के प्रबंध निदेशक ने कहा, चीन अपनी वृद्धि को बनाए रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले रहा है। ऐसे में वह घरेलू खपत बढ़ाने के लिए जितने अधिक कदम उठाए, उतना बेहतर होगा।

एक अलग संवाददाता सम्मेलन में आईएमएफ के एशिया व प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने संवाददाताओं से कहा कि वृहद आर्थिक पहलुओं की बात करें तो चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर घरेलू मांग से जूझ रही है। इसके दो कारण है रियल एस्टेट क्षेत्र में निरंतर कमजोरी और महामारी का असर। इस स्थिति में आईएमएफ ने दो चीजों की वकालत की है।

एक चीन को ऐसी नीतियां बनाती चाहिए जो संपत्ति क्षेत्र में समस्या का समाधान करने में मदद करें और दूसरी, चीन अपने सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क में सुधार करके उपभोक्ताओं की मांग को बढ़ावा देने की कोशिश करे। इसके अलावा चीन को अपनी पेंशन प्रणाली में वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण सुधार करना चाहिए और अपने लोगों, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश करना चाहिए।

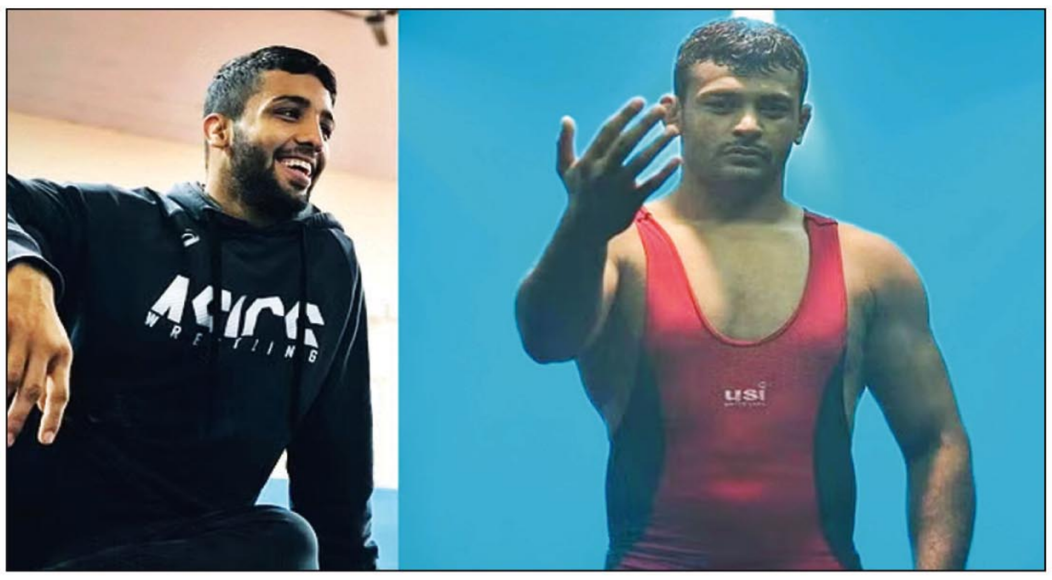

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए जा रहे भारतीय पहलवानों का बुरा हाल, दुबई में सोने-खाने को तरसे

नई दिल्ली ।
दीपक पुनिया और सुजीत कलकल का पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई मुश्किल हो सकता है। दरअसल, किर्गिस्तान जाने वाले दोनों भारतीय पहलवान खाड़ी देश में अभूतपूर्व बारिश के कारण दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। दीपक (86 किग्रा), जो टोक्यो खेलों में पदक जीतने के करीब पहुंच गए थे, और सुजीत (65 किग्रा), एशिया ओलंपिक क्वालीफायर में भाग लेने के लिए बिश्केक जा रहे थे, फिलहाल बारिश की वजह से हवाई अड्डे पर ही फंसे हुए हैं।

फर्श पर सोने को हुए मजबूर, खाने को भी तरसे - हालाँकि, देश में अब तक हुई सबसे भारी बारिश के कारण प्रमुख राजमार्गों और सड़कों पर पानी भर जाने और दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक के अस्त-व्यस्त हो जाने के कारण दोनों दुबई हवाई अड्डे पर फंसे रह गए। रूसी कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ इन दोनों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा है और बारिश से उत्पन्न संकट के कारण उन्हें उचित भोजन भी नहीं मिल पा रहा है। दीपक और सुजीत का वजन होगा, जबकि मुकाबले दिन में बाद में खेले जाएंगे।

सुजीत के पिता का बयान - सुजीत के पिता दयानंद कलकल ने कहा, वे 16 अप्रैल से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं और ऐसा लगता है कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मौका उनके हाथ से फिसल रहा है क्योंकि उन्हें कल प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्हें बिश्केक के लिए कोई उड़ान नहीं मिल रही है। मैं उनके बारे में चिंतित हूं। दीपक और सुजीत 2 से 15 अप्रैल तक रूस के दागेस्तान में प्रशिक्षण ले रहे थे और उन्होंने दुबई के रास्ते मकाचकला से बिश्केक तक उड़ान भरने का फैसला किया।

साई ने लिया संज्ञान - इस मामले में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने संज्ञान लेते हुए सीजीआई दुबई के अधिकारियों से चर्चा की। साई ने ट्वीट कर बताया कि, सीजीआई दुबई के अधिकारी पहलवानों, दीपक पुनिया और सुजीत कलकल के संपर्क में हैं, जो उड़ानें बाधित होने के कारण दुबई में फंसे हुए हैं। उन्हें आज रात दुबई से बिश्केक की उड़ान में शामिल किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बारिश की भेंट चढ़ा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20 मैच, फैंस के हाथ लगी निराशा

नई दिल्ली। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। शाम से शुरू हुई बारिश फैंस की लाख मन्नतों के बाद रूकी और अंपायर्स ने पांच-पांच ओवर का मैच निर्धारित किया। हालांकि, पहले ओवर की दूसरी गेंद ही हुई थी कि फिर बारिश आ गई और रेफरी ने मैच रद्द कर दिया। रावलपिंडी में आयोजित पहले टी20 के पांच-पांच ओवर के मैच में रावलपिंडी में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टिम रॉबिन्सन और टिम सीफर्ट सलामी जोड़ी के रूप में मैदान पर पहुंचे। शाहीन ने आक्रामण की बागडोर संभाली। शाहीन की पहली गेंद पर बाई के रूप में दो रन बने। दूसरी ही गेंद पर लगा था पहला झटका दूसरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टिम रॉबिन्सन को क्लीन बोल्ड कर न्यजीलैंड को पहला झटका दिया। इसके बाद फैंस की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब फिर से बारिश होने लगी। इसके बाद मैच रेफरी ने मैच रद्द करने की घोषणा कर दी। टी20 के लिए प्लेइंग इलेवन न्यूजीलैंड (प्लेइंग इलेवन): टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सीयर्स, बेन लिस्टर पाकिस्तान (प्लेइंग इलेवन): बाबर आजम (कप्तान), सईम अयूब, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), उस्मान खान, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, मोहम्मद आमिर, अबरार अहमद।

कारूआना से ड्रॉ के बाद गुकेश दूसरे स्थान पर, प्रगनानंदा और गुजराती हारे, वैशाली-हंपी जीतीं

टोरंटो। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना से ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि भारत के ही आर प्रगनानंदा और विदित गुजराती को पराजय का सामना करना पड़ा। प्रगनानंदा को अमेरिका के हिकारू नकामूरा और गुजराती को रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने हराया। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। टूर्नामेंट में अब तीन दौर ही बचे हैं और नेपोमनियाच्ची लगातार तीसरी बार खिताब के प्रबल दावेदार लग रहे हैं। रूस पर प्रतिबंध लगा होने से वह फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। उन्होंने 11 में से सात अंक लेकर एकल बढ़त बना ली। कारूआना, नाकामूरा और गुकेश उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रगनानंदा के 5.5 और गुजराती के पांच अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान को एकल बढ़त मिल गई है जबकि उनकी हमवतन टी लेइ दूसरे स्थान पर है। भारत की आर वैशाली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना को हराया जबकि कोनेरू हंपी ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को मात दी।

पाक के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज खेलने तैयार हैं रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार हैं। रोहित का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की धारदार गेंदबाज को देखते हए दोनो के बीच सीरीज रोमांचक होती है। दोनो देशों के बीच तनाव के कारण ही पिछले डेढ़ दशक से दोनो टीमों ने द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतिम बार साल 2008 में द्विपक्षीय सीरीज हुई थी। उसी के बाद से ही दोनो ही टीमों ने द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। दोनो ही टीमों ने इस दौरानर केवल आईसीसी मुकाबलों में खेला है। रोहित ने कहा, 'मेरा पूरा तरह से मानना है कि अगर हम विदेशों में खेलते हैं तो तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज भी खेली जा सकती है। पाक टीम की गेंदबाजी अच्छी है जिससे मुकाबला रोमांचक रहेगा। यह पूछने पर कि क्या इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया जैसे तटस्थ स्थल पर भारत-पाक टेस्ट संभव है, इसपर रोहित ने कहा' हां, मुझे पाक के खिलाफ खेलना मजदार लगेगा।

विनेश-अंशु के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, भारत के 17 पहलवान ले रहे हिस्सा

बिश्केक (किर्गिस्तान)।
भारत के 17 पहलवान यहां शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालिफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भारवर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

19 साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं थी। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी।

पुरुष वर्ग में अमन-दीपक प्रमुख दावेदार

पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में, अमन सहरावत (57 किग्रा) राष्ट्रीय ट्रायल में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया को पछाड़कर अपनी जगह बनाने के बाद सुर्खियों बटोरी थी। वह अच्छी लय में भी हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में जगरेब ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उनके अलावा सुजीत पर भी नजर रहेगी क्योंकि वह टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया की विफलता के बाद 65 किग्रा वर्ग में चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं।

टोक्यो में पदक जीतने से चूके दीपक पूनिया (86 किग्रा) से यहां कोटा तय करने के मजबूत दावेदार है तो वहीं जयदीप (74 किग्रा), दीपक (97 किग्रा) और सुमित (125 किग्रा) भी अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा कर भारत के लिए कोटा हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। ग्रीको-रोमन में सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) पर देश के लिए कोटा हासिल करने का दारोमदार होगा।

पेरिस ओलंपिक 2024: भारत को लंबी कूद में बड़ा झटका, घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर, सर्जरी होगी

नई दिल्ली। लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमशः 27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डायमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया। पिता भी रहे हैं एथलीट श्रीशंकर के पिता एस. मुरली ही उनके कोच हैं। श्रीशंकर का कहना है कि उनके शरीर को उनके पिता उनसे बेहतर समझते हैं। श्रीशंकर के पिता पूर्व ट्रिपल जंप एथलीट थे और दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक विजेता रहे हैं। 1992 एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनकी मां के.एस. बिजिमोल 800 मीटर रेस में रजत पदक जीती थीं। श्रीशंकर के पिता मुरली एक समय पर शराब के शौकीन थे, लेकिन बेटे के खेल पर ध्यान देने के लिए उन्होंने इससे दूरी बना ली।

ओलंपिक की तैयारी के लिए अब हर दिन अहम स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अब काफी कम समय बचा है। ऐसे में अब अभ्यास के लिए हर दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण अब हमें प्रशिक्षण सत्र के समय का अच्छी प्रकार से इस्तेमाल करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी कांस्य पदक है और उसका लक्ष्य इस बार उसके रंग में बदलाव करना रहेगा। हरमनप्रीत ले कहा कि टीम अभी ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटी है जहां उसे उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम को इस दौरे में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। ऐसे में एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की उल्टी गिनती शुरु हो गयी है। इसी कारण अब टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होने से टीम की एकजुटता लगातार बढ़ी है। वहीं टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने भी तैयारी के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया है। गौरतल है कि भारतीय टीम ने गत वर्ष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। वहीं उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी कमजोरियों को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करना है। हम अभ्यास शिविर में लौटने के बाद इसपर ध्यान देंगे। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मामले को हल कर दें। उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे जिससे यह तय हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी इच्छा पूरी हो। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपना अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

छह साल की उम्र में तक्षवी वघानी ने रचा इतिहास स्केटिंग में किया कमाल, बना दिया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
अहमदाबाद की तक्षवी वघानी ने छह वर्ष की उम्र में ऐसा कारनामा कर डाला है जिससे उनकी चर्चा भारत ही नहीं पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने छोटी सी आयु में कुछ ऐसा किया जिससे उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में 25 मीटर से अधिक का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपना नाम रोशन किया बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने की पुष्टि

तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा गया, 25 मीटर से अधिक की लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग। पिछले साल 10 मार्च को यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की गई थी।

तक्षवी ने तोड़ा मनस्वी का रिकॉर्ड

अहमदाबाद की तक्षवी से पहले यह रिकॉर्ड पुणे की मनस्वी विशाल के नाम दर्ज था। उन्होंने साढ़े तीन साल की उम्र में 25 मीटर से ज्यादा की लोएस्ट लिंबो स्केटिंग से सभी को प्रभावित कर दिया था। उन्होंने धरती से केवल 16.5 सेंटीमीटर की ऊंचाई बनाए रखते हुए 25 मीटर की दूरी तक ग्लाइड किया था।

सृष्टि भी नहीं हैं पीछे

लिम्बो स्केटिंग की दुनिया में तक्षवी और मनस्वी के अलावा 18 वर्षीय सृष्टि धर्मेंद्र शर्मा भी कमाल दिखा चुकी हैं। उन्होंने जुलाई 2023 में 50 मीटर से अधिक की स्केटिंग में कमसमय लेते हुए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। उन्होंने इस दूरी को 6.94 सेकंड में पूरा किया था। उन्होंने 2021 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की थी।

श्रीलंका ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया: साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया; अट्टापटू ने नाबाद 195 रन बनाए

नई दिल्ली ।
श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया। श्रीलंका ने इस मैच में 301 रन का स्कोर चेज किया। विमेंस वनडे क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने 300 या इससे ज्यादा का स्कोर चेज किया है।

श्रीलंका कप्तान चमारी अट्टापटू ने नाबाद शतक लगाया। उन्होंने 139 गेंदों पर नाबाद 195 रन बनाए। अट्टापटू ने अपनी बड़ी पारी में 26 चौके और 5 छक्के लगाए। अट्टापटू का यह स्कोर वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

श्रीलंका से पहले ऑस्ट्रेलिया के नाम था रिकॉर्ड

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 301 रनों का स्कोर बनाया। साउथ अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 147 गेंदों पर 184 रनों की नॉटआउट पारी खेली। जवाब में श्रीलंका ने 44.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया और साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया।

श्रीलंका ने विमेंस वनडे का इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2012 में 289 रनों का टारगेट हासिल किया था।

इसी के साथ श्रीलंका और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से ड्रॉ हो गई। सीरीज का पहला मैच बेनतीजा रहा था। दूसरा साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से जीता था।

अट्टापटू ने बनाया वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर श्रीलंका की चमारी अट्टापटू ने नाबाद 195 रन बनाए। अट्टापटू का यह स्कोर वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। विमेंस क्रिकेट में पहला ही है। इस मामले में अट्टापटू से आगे (विमेंस/ मेंस) ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने मुंबई में वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ चेज करते हुए 201 रनों की पारी खेली थी। जो वनडे मैच में (मेंस और विमेंस) टारगेट का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा इंडिविजुअल रन है।

सिराज को तैयारी और खेल के समय के संबंध में अपना क्षेत्र ढूंढने की जरुरत हैः जहीर खान

नई दिल्ली ।
आईपीएल 2024 में, मोहम्मद सिराज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विकेटों में नहीं रहे हैं और भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में वापस आने के लिए तैयारी और खेल के समय की शर्तों के संबंध में यह उनके लिए अपना जोन ढूंढने की जरूरत है। आईपीएल 2023 में सिराज ने 14 मैचों में 19.73 की औसत और 7.5 की इकोनॉमी रेट से 19 विकेट लिए, जिसमें पावर-प्ले में दस विकेट आए। लेकिन मौजूदा टूर्नामेंट में सिराज उन ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच पाए हैं, उन्होंने छह पारियों में 57.25 की औसत और 10.40 की इकोनॉमी रेट से चार विकेट लिए हैं।

उनकी पावर-प्ले संख्या में भी गिरावट आई है और वह 12.3 की इकॉनमी रेट से केवल एक विकेट ले पाए हैं। सिराज को इस हफ्ते की शुरुआत में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के मैच से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन जहीर को लगता है कि सिराज को वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह के साथ साझेदारी करनी होगी। सिराज एक ऐसा खिलाड़ी है जो बहुत अच्छा कर रहा है और यह अभी प्रारूप की मांग है कि

कभी-कभी, किसी को भी परेशानी हो सकती है। यह टीमों के गेम न जीतने का नतीजा भी हो सकता है और बात सिर्फ इतनी है कि इसकी निराशा आप तक पहुंच रही है, जिससे आप प्रक्रियाओं से दूर जा रहे हैं। लेकिन उसके लिए, यह जितना संभव हो उतना सरल होगा अगर उसे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में वापस आने की जरूरत है। उसे विकेटों के बारे में सोचना होगा, उन स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा, जितनी तेज़ हो सके गेंदबाजी करनी होगी, शुरुआती स्विंग की तलाश करनी होगी - यह सब जो हमने देखा है वह उसकी सफलता के फॉर्मूले का हिस्सा है। आईपीएल 2024 के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ जहीर ने चुनिंदा वर्चुअल इंटरेक्शन में कहा,उनके लिए, यह तैयारी, खेल के समय और तुरंत वहां पहुंचने के संबंध में उस क्षेत्र को फिर से ढूंढने के बारे में है। मुझे अभी भी लगता है कि उसे टी20 विश्व कप का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि शमी उपलब्ध नहीं है, यह एक निश्चित संसाधन का उपयोग करने के बारे में हो जाता है और उसके संबंध में, वह वहीं पर है। भारत की 2011 वनडे विश्व कप जीत के सदस्य जहीर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए आवेश खान के प्रभावशाली प्रदर्शन पर भी ध्यान दिया। जब मैं आवेश को देखता हूं तो जिस चीज ने मुझे प्रभावित किया है, वह यह है कि जब वह खेल के करीब आ रहा है तो उसके विचारों की स्पष्टता है और वह वहां लड़ाई का आनंद कैसे ले रहा है। आवेश सही दृष्टिकोण के संदर्भ में वे सभी चीजें कर रहा है और इस आईपीएल में सफल होने के लिए अभी विभिन्न परिदृश्यों में आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ चुनौती के लिए तैयार है। जहीर का यह भी मानना है कि अर्शदीप सिंह को ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट के 2022 संस्करण में मौजूद रहने के बाद टी20 विश्व कप टीम में जगह बनानी चाहिए, जहां उन्होंने दस विकेट लिए थे। टीम का चयन अभी भी दो सप्ताह दूर है लेकिन अर्शदीप सिंह टी20 विश्व कप के लिए एक गंभीर उम्मीद है और चयनकर्ता उन पर नज़र रखेंगे। खलील अहमद, मोहसिन खान और यश दयाल पर भी चयनकर्ताओं की नजर रहेगी। अगर हार्दिक पांड्या फिट हैं और गेंदबाजी के लिए उपलब्ध हैं तो वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को गहराई और संतुलन भी प्रदान करते हैं। जहीर को लगता है कि टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत भारत के लिए पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे, पंत ने दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना के बाद आईपीएल 2024 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से खेल के सभी पहलुओं में शानदार प्रगति की है।

घरेलु उपचार

नमक-चीनी का साथ, अनिद्रा और सिरदर्द को नहीं आने देगा पास!

सदियों पहले ना तो बड़े-बड़े अस्पताल थे और ना ही आधुनिक चिकित्सा उपकरण। प्रकृति और इससे मिलने वाली चीजों से ही कई बड़े-छोटे रोगों का इलाज कर लिया जाता था। यही कारण है कि आज भी दादी-नानी के घरेलू नुस्खे कारगर साबित होते हैं। आज भी हम ऐसे ही एक नुस्खे के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिसे विशेषज्ञ भी समर्थन देते हैं।

न्यूट्रिशन एंड मेटाबोलिज्म विषय पर कई किताबें लिख चुके व मशहूर अमरीकी हेल्थ रिसर्चर मैट स्टोन बताते हैं कि सोने के पहले नमक और चीनी का मिश्रण लेने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। तो चलिए आज नमक और चीनी के मिश्रण के कमाल के फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नमक-चीनी का मिश्रण

नमक चीनी के मिश्रण के स्वास्थ्य लाभों के बारे में आपने पहले न सुना हो, लेकिन अगर आपको अनिद्रा की समस्या है तो नमक-चीनी का मिश्रण आपके लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। इस बेजोड़ मेल के सेवन से न सिर्फ अनिद्रा ही दूर होती है बल्कि इम्यूनिटी बढ़ती है और सर का दर्द भी दूर होता है। आपको इसे बनाने की विधि व आवश्यक सामग्री के बारे में बताते हैं।

आवश्यक सामग्री व उपयोग

अपरिष्कृत (unrefined) समुद्री नमक - 1 चम्मच
ब्राउन शुगर - 5 चम्मच

उपरोक्त दोनों चीजों को मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें और पाउडर बना लें। सोने से पहले इस पाउडर के एक छोटे चम्मच का सेवन करें। इसके सेवन के लिए बस पाउडर को मुंह में डाल लें और खुद ही इसे घुलने दें। इसे आप रोजाना रात को सोने से पहले ले सकते हैं।

नमक और चीनी का घोल

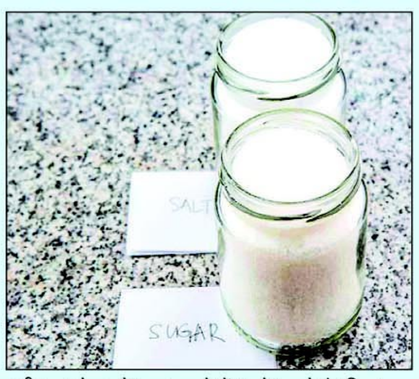

अक्सर पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। जिसकी वजह से शरीर में कमजोरी और थकान होने लगती है। इस स्थिति में व्यक्ति को ओरल हाइड्रेशन साल्ट दिया जाता है। यह साल्ट न होने की स्थिति में आप घर पर भी इस घोल को बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको केवल पानी, नमक और चीनी चाहिए। सबसे पहले पानी लें। अब इसमें 5 चम्मच चीनी और आधा चम्मच नमक डालकर मिलाएं और फिर चीनी और नमक को अच्छी तरह से घोल लें। डिहाइड्रेशन होने पर इस घोल का सेवन करें। आप इसे फ्रिज में भी बना कर रख सकते हैं लेकिन एक दिन से ज्यादा इसे न रखें। यह घोल थकान और कमजोरी को दूर करता है और शरीर को तरोताजा बनाता है।

ध्यान रखें

नमक और चीना दोनों का ही पर्याप्त मात्रा से अधिक सेवन सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है, तो इसे सीमित मात्रा में ही लें। साथ ही नमक व चीनी दोनों नैचुरल ही इस्तेमाल करें।

अंडे की जर्दी के फायदे...

अंडे के योक (पीला हिस्सा) में बहुत से गुण होते है जो पुरुषों के लिए काफी मददगार सिद्ध होते है। खास कर जिम जाकर सिक्स पैक एब्स बनाने वाले मर्दों को अंडे के योक का सेवन करना चाहिए क्योंकि इसमें कैल्शियम, प्रोटीन भरपूर मात्रा होते हैं, जो स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचाएं रखते है। अंडे के योक में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स की मात्रा ठीक होती है, जिससे फर्टिलिटी बढ़ती है।

परीक्षा में नंबर कम, इसलिए न पालें गम

हाल ही देश के कई राज्यों में 10वीं और 12वीं के रिजल्ट आने के बाद स्टूडेंट्स की रातों की नींद उड़ी हुई है। कुछ मार्क्स अच्छे न आने के कारण परेशान हैं तो कुछ को टॉप कॉलेज में ऐडमिशन की चिंता सता रही है। ऐसे हालात हर साल बोर्ड रिजल्ट के बाद होते हैं। चिंता की बात तो यह है कि यंगस्टर्स के सूइसाइड करने के मामले में हमारा देश नंबर वन है। वर्ष 2012 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में 15 से 29 साल के युवा सबसे अधिक सूइसाइड करते हैं। अगर आप या आपके आस-पास कोई इस तरह के स्ट्रेस से गुजर रहा है तो उससे बाहर निकालने का प्रयास करें। हमने तीन एक्सपर्ट्स डॉक्टर ज्योति कपूर मदान, सीनियर कन्सल्टेंट, पारस हॉस्पिटल गुरुग्राम और डॉ. सुनील पवार, मनोरोग चिकित्सक, कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल, गाजियाबाद और तीसरे एक्सपर्ट सेंटर ऑफ करियर डिवेलपमेंट के सीनियर करियर काउंसलर, जितिन चावला से बात की। जानिए, एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं...

जिंदगी यहीं खत्म नहीं होती

हम जानते हैं कि ऐसा कहना आसान है और करना मुश्किल होता है। आपकी मानसिक दशा हम समझ सकते हैं। लेकिन फिर भी कहेंगे कि इस तनाव से बाहर आने की कोशिश करें। आगे देखें कि आपके पास बेहतर परफॉर्म करने के लिए अभी दो और साल हैं। मेहनत में कहां कमी रह गई है इस बात का पता लगाएं और इन फैक्टर्स को दूर करने का प्रयास करें। अपने दोस्तों, परिवार और पढ़ाई के माहौल या किसी और को ब्लेम न करें। क्योंकि आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे ये सभी बहुत छोटे फैक्टर हैं।

अगर आपका 12वीं का रिजल्ट आया है तो इस स्थिति से आगे की सोचें। जिंदगी यहीं खत्म नहीं होती। पूरी कायनात में कितना कुछ है करने के लिए। फिर एक नंबर डिजिट के लिए खुद को कोसना कितना सही है? आप खुद इस बात को सोचें। जिस फील्ड में भी आप बेहतर हैं या जिस काम को काम करने का मन है, उस दिशा में आगे बढ़ें।

बदलाव के लिए तैयार रहें

डॉक्टर ज्योति और डॉक्टर जितिन दोनों का कहना कि किसी भी स्टूडेंट को एक ही विकल्प पर अटके नहीं रहना चाहिए। डॉक्टर ज्योति के अनुसार जब आप मात्र 15 से 17 साल के होते हैं, तब आपके करियर का निर्णय या तो पैरेंट्स लेते हैं या फिर आपका निर्णय अपने दोस्तों से प्रभावित होता हैं। इसलिए इस बात को समझें कि इन्हें बदला जा सकता है। वहीं डॉक्टर जितिन कहते हैं कि करियर का मतलब केवल दिल्ली या मुंबई ही नहीं हैं। बदलाव के लिए तैयार रहें। जिंदगी ने बहुत कुछ बेहतरीन चीजें आपके लिए संभाल रखी हैं।

खुद को संभलने का पूरा वक्त दें

लाइफ बुरे रिजल्ट पर खत्म नहीं होती है। डॉक्टर सुनील और डॉक्टर ज्योति का कहना है कि आपको अपने प्रति सख्त नहीं होना चाहिए। दवाब और चिंता का यह वक्त जल्दी ही बीत जाएगा। इस बात को समझने की कोशिश करें कि मायूसी से निकलने में हर किसी को वक्त लगता है। जो चीजें आपको परेशान करती हैं उनके बारे में पता लगाएं और उनसे बाहर निकलने की कोशिश करें। अगर इस असफलता की वजह में आप खुद को ही पाते हैं तो अब आगे बढ़ें। खुद को एक और साल दें। क्या आपको नहीं लगता कि 70 साल की जिंदगी में से अपनी गलतियां सुधारने के लिए खुद को एक साल देना कोई बड़ी बात नहीं है?

बुरी भावनाओं को बाहर फेंक दें

डॉक्टर सुनील कहते हैं कि अगर आपको लगता है कि इस खराब परफॉर्मेंस के लिए आप खुद जिम्मेदार हैं तो इस भाव को अंदर ही न रखें। इस घुटन को बाहर निकाल फेंकें। अपने भरोसेमंद व्यक्ति से इस बात को शेयर करें। मन की बात कह देने से आप खुद को हल्का महसूस करेंगे। अगर आपको लगता है कि आप ऐसा कोई नहीं है। तो अपने आस-पास देखें। आपके दोस्त, टीचर, पैरेंट्स, भाई-बहन इनमें ऐसा कोई जिस पर आप भरोसा कर सकें। अगर फिर भी लगता है कि आप यह बात किसी से नहीं कह सकते तो हेल्पलाइन नंबर पर जरूर कॉल करें।

पढ़ें और रिसर्च करें

डॉक्टर जतिन कहते हैं कि यहां बहुत-से ऑप्शन हैं। किसी एक को चुनने ने पहले आप सभी के बारे में पता लगाएं। एक बार जानकारी जुटा लेने के बाद ही किसी निर्णय पर पहुंचें। अगर आपको लगता है कि आपके पसंद के कॉलेज का स्ट्रीम को चुनने के लिए ज्यादा नंबरों की जरूरत है तो फिर से सोचें कि आप और क्या कर सकते हैं। इस बारे में करियर काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

तुलना करना बंद करें

एक बात जान लें कि हर कोई टॉपर नहीं बन सकता। कई बार योग्यता का अंतर बहुत ही कम होता है। हो सकता है कि पड़ोसी के बच्चे के बहुत अच्छे नंबर आए हों, लेकिन जरूरी नहीं कि वह हर वो काम बेहतर तरीके से कर सकता है, जो आपका बच्चा करता हो। तुलना करना बंद करें और अपने बच्चे की स्किल्स को पहचानें। यह कहना है डॉक्टर ज्योति, जितिन और सुनील का।

जेनरेशन गैप

डॉक्टर ज्योति का कहना है कि आज की जेनरेशन की प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब हर कोई जिंदगी को पूरी तरह जीना चाहता है। इसके लिए डॉक्टर और इंजिनियर होना जरूरी नहीं है। जबकि पैरेंट्स की प्रायॉरिटीज में आज भी गुड करियर और पैसा ही सबकुछ हो सकता है। इस बदलाव को स्वीकारने की जरूरत है।

करियर ऑप्शन्स को समझें

डॉक्टर जितिन कहते हैं कि आज के वक्त में इतने नए करियर ऑप्शन हैं जो पहले कभी नहीं थे। डॉक्टर जितिन खुद स्नरूर ग्रैजुएट और कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर करियर काउंसलिंग का अपना बिजनस शुरू किया। जबकि उनके पापा ऐसा नहीं चाहते थे। लेकिन आज जितिन खुश हैं, सफल हैं और पैसा भी कमा रहे हैं। ऐसे ही बहुत से करियर ऑप्शन आज के वक्त में उपलब्ध हैं।

डिप्रेशन के लक्षणों को समझें

डॉक्टर सुनील कहते हैं कि अगर आप सबकुछ कर चुके हैं लेकिन फिर भी लगता है कि आपका बच्चा समाज के साथ जुड़ नहीं पा रहा है, जो चीजें उसे पसंद थी अब नहीं हैं, वह अपने दोस्तों से भी कट रहा/रही है। तो इस बात को गंभीरता से लें। ये डिप्रेशन के लक्षण हो सकते हैं। जल्द मनोचिकित्सक से मिलें।

हेल्थ सीक्रेट

लड़कियों के लिए जरूरी सेफ्टी रूल्स...

मॉर्डन समय में ज्यादातर लड़कियां अपने घर से दूर किसी शहर में पढ़ाई या जॉब करने के लिए जाती है। कोई पी.जी में या किसी से रूम शेयर करके रहती है।

ऐमें कुछ लड़कियों के मां-बाप को उनकी लगातार चिंता लगी रहती है कि उनकी बेटी पराए शहर में सुरक्षित है भी या नहीं। इसके अलावा अपने घर से दूर अकेले रहने वाली लड़कियों को भी हर समय अपनी सेफ्टी की चिंता लगी रहती है। अगर आप भी अपने परिवार से दूर रह रही है तो ऐसे में आपको सर्तक रहने की जरूरत है। किसी लड़की का अकेले किसी शहर में रहना मुश्किल नहीं है लेकिन उसको कुछ सावधानी बरतने और खतरों से अपने आप को बचाकर रखने की जरूरत है। आज हम आपको कुछ ऐसे सेफ्टी टिप्स बताएंगे जो हर लड़की के लिए सही साबित होंगे।

हैड फोन का यूज

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां सड़क या बस में ट्रैवल करते समय हैड फोन का यूज करती है लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें। हैड फोन लगाकर आप अपने आसपास होने वाली एक्टिविटी से अनजान रहेंगे जो काफी रिस्की हो सकता है।

आसपास की जानकारी रखें

अपने घर के आसपास रह रहे लोगों की जानकारी रखें कि कौन कहां रहता है, इस बात की नॉलेज रहें। अगर आपके उनसे रिलेशन अच्छे होंगे तो हो सकता है कोई मदद मिल जाए।

रेंट में रहने वाली महिलाएं

रेंट के मकान में रह रही है तो किसी भी अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा नहीं खोलना चाहिए। फिर चाहे कोई सैल्स मेन ही दवाजे पर क्यों न खड़ा हो।

आने-जाने का टाइम चेंज

ऑफिस से घर आने-जाने का टाइम बदलती रहे, ताकि आसपास रहने वाले लोग आपकी टाइमिंग से अनजान रहे और कोई चाह कर भी आपका पीछा न कर सकें।

मैड रखने से पहले छान-बीन

घर में कोई नौकरानी रखने से पहले, उसका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें।

फेशियल योग से दूर होंगी झुर्रियां...

दाग-धब्बे किसे पसंद आते हैं और वो भी चेहरे पर अगर आप भी चेहरे पर नजर आने वाली बारीक रेखाओं और झुर्रियों से परेशान हैं तो इसे दूर करने में फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। फेशियल योग न केवल चेहरे पर रौनक लाता है बल्कि इससे तनाव भी दूर होता है। यह तनाव ही है जो चेहरे की रौनक को खत्मकर देता है और इसके कारण उस पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां नजर आने लगती हैं।

जरूरी है व्यायाम

योग एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारे चेहरे में करीब 52 मांसपेशियां होती हैं। इन मांसपेशियों का नियमित व्यायाम चेहरे, गर्दन और आंखों के तनाव को कम करता है। जिस तरह नियमित व्यायाम न करने से हमारा शरीर कमजोर और बेडौल हो जाता है उसी तरह चेहरे का व्यायाम न करने से चेहरे पर भी उम्र के साथ बदलाव आ जाता है। चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने से महीन रेखाओं और झुर्रियों पर लगाम लगाई जा सकती है। ये नहीं कहा जा सकता कि फेशियल योग से महीन रेखाएं और झुर्रियां गायब हो जाती हैं, पर हां रोकी जरूर जा सकती हैं। एचसीएल हेल्थ केयर की योगाचार्या अर्चना सिंह कहती हैं, 'फेशियल योग किसी भी समय किया जा सकता है। इसे हमेशा शीशे के सामने खड़े होकर ही करें। ऐसा करना आपको थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है।

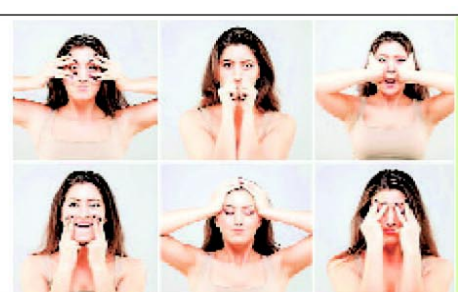

क्यों हैं असरदार

फेशियल एक्सरसाइज या फेशियल योग आपके चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है, जिससे चेहरे पर बढ़ती उम्र की निशानियां नहीं झलकती। चेहरे को हाथों से दबाने भर से ही रक्तसंचार अच्छा हो जाता है जिससे कॉलेजन बनता है और चेहरा साफ, स्वस्थ और चमकदार हो जाता है। फेशियल योगासन से चेहरे की अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलता है। यही नहीं, योगासन से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

ये योगासन करेंगे मदद

- अपने गालों को फुलाएं और फिर उस हवा को एक गाल से दूसरे गाल में पांच बार घुमाएं और फिर होंठों को गोल कर या छोटा 'ओ' बनाकर उसे निकाल दें।
- अपनी जीभ को मुंह से जितना ज्यादा बाहर निकाल सकती हैं, निकालकर 60 सेकंड तक इसी मुद्रा में रुकें और वापस सामान्य मुद्रा में आ जाएं।
- अपने दांतों को कसकर बंद करें और जीभ को दांतों के पीछे लगाकर हवा अंदर खींचें और कुछ सेकंड रुकें फिर हवा से बाहर निकाल दें। ऐसा करने से गर्दन की मांसपेशियां ऊपर की ओर खिंचेंगी जिससे आपकी गर्दन और डबल चिन की समस्या दूर होगी।
- डबल चिन को कम करने और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए आप अपने सिर को एक तरफ कंधे तक ले जाएं, थोड़ी देर रुकें और वापस आ जाएं, दूसरी तरफ भी ऐसा ही करें। गर्दन को दोनों दिशाओं में गोल-गोल घुमाएं।
- ऊपर की ओर देखें और मुंह को इस तरह सिकोड़ें मानो किसी को चूमने वाली हों। 5 सेकेंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर वापस सामान्य मुद्रा में आ जाएं। इससे आपकी गर्दन की मांसपेशियां खिंचती हैं और मजबूत हो जाती हैं।
- होठों को गोल करें या उनसे छोटा 'ओ' बनाएं और फिर होठों को फैलाएं और बड़ा 'ओ' बनाएं जैसे कि हंसने वाली हों। ऐसा 10 बार करें।
- अपने होठों को बंद रखते हुए मुस्कुराएं। फिर अपने गालों को अंदर की ओर खींचें और मछली के मुंह के जैसे मुंह बनाएं।
- छत की ओर देखें। किसी एक पॉइंट पर ध्यान केंद्रित करें और आंखों में पानी आने तक या दर्द होने तक वहां देखती रहें। इससे आंखों के चारों ओर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा जो गड्ढों और काले घेरों को कम करने में मददगार साबित होगा।

तुरंत हिचकी रोकेंगे ये आसान उपाय!

आमतौर पर कई लोगों को हिचकी लग जाती है। कई बार तो इसे रोकने के सारे उपाय भी कोई काम नहीं करते। लेकिन जिस व्यक्ति को हिचकी लगी होती है उसे इससे बहुत ही परेशानी हो रही होती है। डॉक्टर हिचकी के बारे में अलग ही बाते बताते है कि जब छाती और पेट की मांसेपेशियां सिकुड़ती है तो हमारे फेफड़े तेजी से हवा खिंचने लगते है और सांस लेने में दिक्कत होने लगती है, जिस कारण हिचकी शुरू हो जाती है। ऐसे में हमें तुरंत ये उपाय करने चाहिए।

1. अगर आपको लगातार हिचकी आ रही है तो अपने मुंह में चीनी डाल लें। ऐसा करने से हिचकी तुरंत बंद हो जाती है।
2. हिचकी आने पर नींबू के साथ एक चम्मच शहद मिलाकर लेने से आराम मिलता है।
3. ध्यान भटकाने से भी हिचकी रूक जाती है इसके लिए आप 100 से 1 तक की उल्टी गिनती गिनना शुरू कर दें।
4. कई बार तेज-तेज खाना खाने से भी हिचकी आने लगती है। खाना धीरे-धीरे चबा-चबा कर खाएं हिचकी आनी बंद हो जाती है।
5.जब भी हिचकी की समस्या से परेशान हो तो तुरंत चॉकलेट पाउडर का एक चम्मच खा लें। इसे खाने से थोड़ी देर में हिचकी ठीक हो जाएगी।
6. थोड़े से नमक को पानी में मिलाकर एक या दो घूंट पीएं। इससे हिचकी की समस्या में तुरंत आराम मिलेगा।

रेसिपी

ब्रैड जैली रोल

साम्रगी

1 ब्रैड लोफ
5-6 काजू
4-5 बादाम
1/2 कप स्ट्रॉबेरी जैम
6 किसमिस
छोटा चम्मच चीनी पाऊडर

विधि

सबसे पहले बादाम और काजू को मिक्सी में अच्छे से पीस लें फिर किसमिस को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। अब ब्रैड लोफ को पतले लंबे स्लाइसेस में काट लें। ब्रैड के चारों साइड्स को काट लें। अब ब्रैड स्लाइसेस को बेलन की मदद से चपाती की तरह बेल लें ताकि ब्रैड स्लाइसेस पतला हो जाए। इसके बाद स्लाइसेस पर जैस को अच्छी तरह लगा लें। उसके बाद काजू, बादाम और किसमिस डालकर ब्रैड को रोल कर लें। अब इस रोल को वैक्स पेपर पर रख के फिर से रोल करें और 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अब फ्रिज से रोल निकाल कर वैक्स पेपर को हटा कर रोल को अपनी मनपंसद शेप में काट लें। कटे हुए रोल पर चीनी पाऊडर डालें। आपका ब्रैड जैली रोल तैयार है।

कटहल बर्गर

साम्रगी (कटहल की टिक्की के लिए)

50 ग्राम कटहल (उबला हुआ), 1 आलू (उबला हुआ), नमक स्वादनुसार, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच हरा धनिया (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाऊडर, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, तेल आवश्यकतानुसार (टिक्की सेकने के लिए), **साम्रगी (बर्गर के लिए)**, 1 बन, 4 चम्मच टौमेटो सॉस,1 खीरा (गोल कटा हुआ),1 टमाटर (गोल कटा हुआ),1 प्याज (गोल कटा हुआ),2 चम्मच सफेद तिल, 2 चम्मच हरी चटनी,1 चम्मच मक्खन, 2 छोटे चम्मच तिल

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आलू और कटहल डालें (बारीक कटे हुए)। अब इसमें नमक, हरी मिर्च, हरा धनिया, अदरक, काली मिर्च पाऊडर, लाल मिर्च पाऊडर और जीरा पाऊडर डाल कर इसे अच्छे से मिलाकर गोल टिक्की तैयार कर लें। अब नॉन-स्टिक तवे पर तेल गर्म करके टिक्की को दोनों भाग से तलें। इसके बाद बन को बीच में काट लें। बन के अंदर के हिस्सों पर टमेटो सॉस लगाएं। अब खीरा, टमाटर और प्याज का स्लाइस रखें। अब इसपर टिक्की रखें, फिर ऊपर हरी चटनी फिर खीरा, टमाटर और प्याज के स्लाइस रखकर बन को ऊपरी हिस्से से ढक दें। नान स्टिक तवे पर थोडा मक्खन डालकर बर्गर को दोनों तरफ से हल्का सेक लें। ऊपर के हिस्से पर थोडा तिल लगा दें। आपका कटहल बर्गर तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)